R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 156
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शुक्रवार, 13 फरवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 आज उद्योग की परिभाषा है निवेश, निर्यात और ...
5 एक दूजे के हुए एक सौ तीन जोड़ें
7 '30 की उम्र में करियर दोबारा शुरू करना ...

संशोधन साझा समझ को दर्शाते हैं, भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर विदेश मंत्रालय ने साफ की तस्वीर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत-अमेरिका के अंतरिम व्यापार ढांचे पर व्हाइट हाउस द्वारा जारी फैक्ट शीट में किए गए प्रमुख संशोधनों से दोनों देशों के बीच मूल समझ में कोई बदलाव नहीं आया है। विदेश मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त वक्तव्य आपसी समझ का आधार बना हुआ है। मंत्रालय ने कहा जैसा कि आप जानते हैं, पारस्परिक और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार पर अंतरिम समझौते के ढांचे पर भारत-अमेरिका का संयुक्त वक्तव्य 7 फरवरी, 2026 को जारी किया गया था। यह संयुक्त वक्तव्य ही ढांचा है और इस मामले में हमारी आपसी समझ का आधार बना हुआ है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्ष अब इस ढांचे को लागू करने और अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम करेंगे। इसने यह भी बताया कि अमेरिकी तथ्य पत्रक में हाल ही में किए गए संशोधन 'संयुक्त वक्तव्य में निहित साझा समझ को दर्शाते हैं। व्हाइट हाउस ने अंतरिम व्यापार ढांचे पर अपने मूल तथ्य पत्रक को चुपचाप एक संशोधित संस्करण से बदल दिया।

कुछ दालों का उल्लेख हटाया गयाः पहले के संस्करण में टैरिफ में छूट के लिए कृषि उत्पादों की सूची में 'कुछ दालें' शामिल थीं। इस उल्लेख को हटा दिया गया है, जिससे किसानों के लिए भारत के दीर्घकालिक टैरिफ संरक्षण की रक्षा हो सके। 'खरीदने के लिए प्रतिबद्ध' को 'खरीदने का इरादा' से बदला गयाः भारत द्वारा 500 अरब डॉलर के अमेरिकी सामानों की खरीद का वर्णन करने वाली भाषा को नरम किया गया है, और 'प्रतिबद्ध' को 'इरादा' से बदल दिया गया है, जो संयुक्त बयान के अनुरूप है जिसमें खरीद को बाध्यकारी दायित्वों के बजाय इरादों के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

दिल्ली आबकारी नीति केस केजरीवाल-सिसोदिया की बढ़ेंगी मुश्किलें?

आरोप तय करने पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राउज़ एवेन्यू अदालत ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति भ्रष्टाचार मामले में आरोप तय करने पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत ने सीबीआई और आरोपियों, जिनमें अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और 21 अन्य शामिल हैं, की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने सीबीआई की ओर से सहायक महाधिवक्ता डी पी सिंह द्वारा दिए गए प्रतिवादों को सुनने के बाद आरोप तय करने पर फैसला सुरक्षित रखा। अदालत द्वारा 27 फरवरी को फैसला सुनाए जाने की संभावना है। सीबीआई ने पहली बार 2022 में आरोप पत्र दाखिल किया था और बाद में पूरक आरोप पत्र दाखिल किए। आरोप है कि प्रस्तावित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति को अपने पक्ष में प्रभावित करने के लिए दक्षिण लॉबी द्वारा 100 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था।

इस मामले में सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, के कविता, कुलदीप सिंह, नरेंद्र सिंह, विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, अरुण रामचंद्र पिल्लई, मूथा गौतम, समीर महेंद्रू, अमनदीप सिंह ढल्ल, अर्जुन पांडे, बुच्चीबाबू गोरनातला,

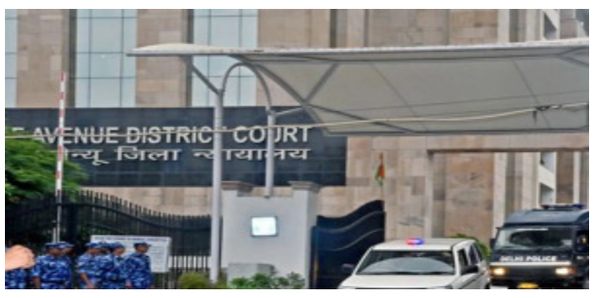

राकेश जोशी, दामोदर प्रसाद शर्मा, प्रिंस कुमार, चनप्रीत सिंह रायत, अरविंद कुमार सिंह, दुर्गेश पाठक, अमित अरोरा, विनोद चौहान, आशीष माथुर और पी सरथ चंद्र रेड्डी सहित 23 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

सीबीआई ने कहा कि साजिश के अपराध को समग्र रूप से देखा जाना चाहिए। साक्ष्यों का महत्व मुकदमे के दौरान परखा जाएगा। सीबीआई ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं।

एसजी डीपी सिंह और उनके वकील मनु मिश्रा ने सीबीआई का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने कहा कि सभी आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने तर्क दिया कि अरविंद केजरीवाल के खिलाफ आरोप तय करने के लिए कोई सबूत नहीं है। 17 जनवरी को वरिष्ठ वकील एन हरिहरन ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समक्ष प्रस्तुत किया कि उनके खिलाफ कोई भी आपत्तिजनक सबूत नहीं है और उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र पिछली आरोपपत्र की हूबहू नकल है। वे मुख्यमंत्री के रूप में अपना आधिकारिक कर्तव्य निभा रहे थे। वरिष्ठ वकील ने तर्क दिया कि केजरीवाल अपना आधिकारिक कर्तव्य निभा रहे थे। ऐसा कोई सबूत नहीं है जो उन्हें दक्षिण लॉबी से किसी से भी पैसे लेने के अनुरोध से जोड़ता हो। पहले आरोपपत्र में और तीनों पूरक आरोपपत्रों में केजरीवाल का नाम नहीं था। उनका नाम चौथे पूरक आरोपपत्र में आया। यह भी प्रस्तुत किया गया कि चारों आरोपपत्रों का विषय पिछली आरोपपत्रों के समान ही है। यह केजरीवाल के खिलाफ आरोपों की हूबहू नकल है। बहस के दौरान, वरिष्ठ वकील ने आगे की जांच की अनुमति के मुद्दे को भी उठाया।

दिल्ली पुलिस की चार्जशीट से उलट, साकेत कोर्ट ने बीना मोदी और ललित भसीन को भेजा समन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। साकेत कोर्ट ने बीना मोदी और ललित भसीन को उनके बेटे समीर मोदी द्वारा दायर मामले में समन जारी किया है। दिल्ली पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल करते हुए कहा है कि उनके खिलाफ आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। कोर्ट ने आरोप पत्र का संज्ञान लेते हुए समन जारी किया। दिल्ली पुलिस ने बीना मोदी के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) सुरेंद्र प्रसाद को आरोपी बनाया है। यह मामला कारोबारी समीर मोदी द्वारा 2024 में सरिता विहार पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई एफआईआर से संबंधित है।

समीर मोदी ने आरोप लगाया कि उन्हें बोर्ड की बैठक में प्रवेश करने से रोका गया और सुरेंद्र प्रसाद ने उन पर हमला किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हमले के दौरान उनकी उंगली टूट गई। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) अनीज़ा बिश्नोई ने मंगलवार को आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए सुरेंद्र प्रसाद, बीना मोदी और वरिष्ठ अधिवक्ता ललित भसीन को अगली सुनवाई के लिए 7 मई, 2026 को तलब किया। जेएमएफसी अनीज़ा बिश्नोई ने मंगलवार को कहा कि अदालत का मानना है कि आरोपपत्र, जांच के दौरान दर्ज किए गए बयानों और रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री का अवलोकन करने के बाद, हालांकि आरोपी बीना मोदी और आरोपी ललित भसीन का नाम आरोपपत्र के कॉलम संख्या 12 में है, फिर भी पर्याप्त सबूत मौजूद हैं जो कथित अपराध में उनकी प्रथम दृष्टया संलिप्तता को दर्शाते हैं। अदालत ने कहा कि संज्ञान लेने के चरण में, साक्ष्यों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन न तो उचित है और न ही अनुमेय है, और रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री, हालांकि परिस्थितिजन्य है, प्रथम दृष्टया आरोपियों के बीच विचारों की समानता की ओर इशारा करती है, जो इस स्तर पर मुकदमे को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त है।

त्योहारों पर रंग में भंग डालने वालों से सख्ती से निपटा जाए, मुख्यमंत्री योगी ने दिए निर्देश

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होली, महाशिवरात्रि और रमजान सहित विभिन्न त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्ती से निपटने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यहां लोक भवन में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश की कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी मंडलों, पुलिस जोन, रेंज और जनपदों के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि दो से चार मार्च तक होली का पर्व मनाया जाएगा और ब्रज क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश में उत्सव का माहौल रहेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि शोभायात्राओं में उपद्रवी तत्वों की घुसपैठ किसी भी स्थिति में न होने पाए और रंग में भंग डालने या उन्माद फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। योगी ने कहा कि विगत वर्षों की घटनाओं से सीख लेते हुए स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप सतर्कता, निगरानी और प्रबंधन को और मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि होलिका दहन केवल परंपरागत स्थलों पर ही कराया जाए और सड़क के बीच किसी भी स्थिति में न किया जाए। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाली पोस्ट पर भी सतत निगरानी रखने के निर्देश दिये गये।

मुख्यमंत्री ने महाशिवरात्रि, होली और रमजान के साथ ही माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाओं, जनगणना और अन्य महत्वपूर्ण आयोजनों को देखते हुए शांति, सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी प्रकार की दुर्घटना रोकने के लिए पुलिस व प्रशासन को पूरी तरह सतर्क रहने को कहा। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि संबंधित दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सीएम योगी ने वाराणसी, मेरठ, लखीमपुर खीरी और बाराबंकी के जिलाधिकारियों से महाशिवरात्रि की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि 14 और 15 फरवरी को प्रमुख शिवधामों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे, इसलिए सुगम दर्शन, यातायात, पार्किंग, महिला सुरक्षा और आपात स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें 24 घंटे सक्रिय रहें। योगी ने कहा कि मंदिर परिसरों में पर्याप्त महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने यातायात जाम के स्थायी समाधान, रात्रि 10 बजे के बाद डीजे व तेज ध्वनि उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध के कड़ाई से पालन और धर्मस्थलों के आसपास भिक्षावृत्ति पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए।

माल्या को बॉम्बे हाई कोर्ट का सख्त संदेश, भारत आना ही होगा

मुम्बई **(एजेंसी)**। लंबे समय से ब्रिटेन में बैठे 'किंग ऑफ गुड टाइम्स' यानी विजय माल्या को बॉम्बे हाई कोर्ट ने दो टूक शब्दों में कड़ा संदेश दे दिया है। गुरुवार को कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान जस्टिस ने साफ कर दिया कि अगर माल्या को भारतीय अदालतों से कोई राहत चाहिए, तो उन्हें पहले भारत की जमीन पर कदम रखना होगा। कोर्ट का मिजाज देखकर तो यही लगता है कि अब 'वर्क फ्रॉम होम' (या कहें कि 'वर्क फ्रॉम यूके') वाली दलीलें कानून के सामने नहीं टिकेंगी। 'कानून से भागना और फायदा उठाना, दोनों साथ नहीं चलेंगे'-सुनवाई के दौरान बॉम्बे हाई कोर्ट ने काफी सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि माल्या एक तरफ तो भारतीय कानूनी प्रक्रिया से बच रहे हैं और दूसरी तरफ उसी सिस्टम से अपने लिए राहत की उम्मीद कर रहे हैं–ऐसा नहीं हो सकता।

अदालत ने सीधे शब्दों में कहा कि आपको वापस आना ही होगा। अगर आप लौटकर नहीं आ सकते, तो हम आपकी इस याचिका पर सुनवाई भी नहीं कर सकते। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि माल्या को सुनने के लिए उनकी शारीरिक मौजूदगी पहली शर्त है। आप देश से बाहर रहकर केवल याचिकाएं फाइल करके सिस्टम का फायदा नहीं उठा सकते। चीफ जस्टिस चंद्रशेखर की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 18 फरवरी के लिए टाल दी है। लेकिन, जाते-जाते माल्या को एक होमवर्क भी दे दिया है।

किसान आंदोलन पर सीएम नायब सैनी का बड़ा हमला

कांग्रेस और आप किसानों को गुमराह कर रहे हैं

चण्डीगढ़ **(एजेंसी)**। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर राज्य के किसानों को 'गुमराह करने और भड़काने' का आरोप लगाया और कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) भी यही कर रही है। यह आलोचना भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के विरोध के बीच आई है, जिसमें भारतीय किसानों के कृषि उत्पादों को लेकर चिंताएं जताई जा रही हैं। कई व्यापार और किसान संगठनों ने समझौते के विरोध में देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। संयुक्त बयान के अनुसार, इस समझौते के तहत भारत का कृषि बाजार कुछ उत्पादों, जैसे फल, मेवे, डीजी आदि के लिए खुल जाएगा।

एएनआई से विशेष बातचीत में नायब सिंह सैनी ने बताया कि उन्होंने एक बार पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से इस मुद्दे पर बात की थी और उन्हें सलाह दी थी कि वे फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करें, जैसा कि हरियाणा सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों को गुमराह करने और डराने का काम करती है। वह झूठ बोलकर उन्हें उकसाती है। और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार भी कांग्रेस की राह पर चलते हुए बड़े-बड़े वादे कर रही है। मैंने एक दिन मुख्यमंत्री से यह भी कहा कि आप यहां किसानों को उकसाते हैं। उन्हें उकसाने के बजाय, उनसे कहिए कि जिस तरह हम हरियाणा में सभी किसानों की फसलें एमएसपी पर खरीद रहे हैं, वैसे ही यहां भी करेंगे। आप क्यों नहीं बोलते? आपको बोलना चाहिए। लेकिन नहीं, आप नहीं बोलेंगे। जब उनसे तीन-किसान अधिनियम के खिलाफ 2020 के किसान विरोध प्रदर्शन के बारे में पूछा गया, तो सैनी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की हालिया जीत का हवाला देते हुए केंद्र सरकार से किसानों की 'निराशा' को खारिज कर दिया।

'आपने आंदोलन की बात की। अगर ऐसा होता, तो तीसरी बार सरकार क्यों बनती? लोग काम देखते हैं और काम देखते हैं, इसीलिए उन्होंने सरकार को लगातार तीसरी बार चुना है। उन्होंने आगे कहा कि लोग कांग्रेस से 'तंग आ चुके हैं' और 2029 के चुनावों में एक और हार की भविष्यवाणी की। उन्होंने एएनआई से कहा, मैं आज आपको एक और बात बता रहा हूंः कांग्रेस ने 'कांग्रेस आएगी, कांग्रेस आएगी' कहकर इतना शोर मचाया था। लोग इससे तंग आ चुके थे, और हमें मजबूत जनादेश मिला हैः जब 2029 के चुनाव होंगे, तो कांग्रेस का कहीं नामोनिशान नहीं होगा।

जिलाधिकारी ने चौपाल में परखीं विकास योजनाएं

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। विकास खण्ड सिराथू के ग्राम रघुनाथपुर में 'गांव की समस्या, गांव में समाधान' अभियान के तहत ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी अमित पाल ने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित पटल सहायकों व अधिकारियों को उनके तत्काल निस्तारण हेतु निर्देशित किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अभियंता को गांव की जर्जर संपर्क मार्ग का मरम्मत कार्य फरवरी माह के अंत तक पूर्ण करने की समय-सीमा निर्धारित की है।

ज्ञात हो कि निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता, मिड-डे मील और साफ़-सफाई का जायजा लिया। उन्होंने ग्राम विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि पात्र महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित किया जाए। पेयजल आपूर्ति में अनियमितता की शिकायत पर उन्होंने जल निगम को व्यवस्था दुरुस्त करने की चेतावनी दी है।

कांग्रेस पार्टी के कर्यकर्ताओं ने मनरेगा का नाम बदलने का किया विरोध

सिद्धार्थनगर। जिले के इटवा में मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने, योजना में किए गए हालिया बदलावों को वापस लेने तथा मनरेगा के मूल स्वरूप की बहाली की मांग को लेकर आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कांग्रेस जिलाध्यक्ष क़ाज़ी सुहेल अहमद की अगुवाई में इटवा के कुर्सियां पुल से पदयात्रा निकाली। यह पदयात्रा कर दिया पुल से प्रारंभ होकर इटवा इटवा ब्लॉक होते हुए इटवा चौराहा के रास्ते इटवा तहसील पहुंची, जहां महामहिम राष्ट्रपति जी को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार इटवा को सौंपा गया। और पद यात्रा शांति पूर्वक संपन्न हुई। पदयात्रा में कार्यकर्ता कांग्रेस पार्टी का झंडा एवं महात्मा गांधी जी का चित्र हाथों में लेकर चल रहे थे और मनरेगा के मूल स्वरूप की बहाली की मांग कर रहे थे।इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष क़ाज़ी सुहेल अहमद एवं जिला उपाध्यक्ष जावेद मुकीम ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण गरीबों और मजदूरों के लिए जीवनरेखा है। योजना से

महात्मा गांधी जी का नाम हटाना उनके विचारों और श्रमिक हितों का अपमान है। उन्होंने मांग की कि मनरेगा में काम की गारंटी, मजदूरी की गारंटी और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए तथा सभी हालिया बदलावों को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए।नि प्रदेश सचिव डॉ नादिर सलाम, मनरेगा कोआर्डिनेटर राजन श्रीवास्तव एवं जिला उपाध्यक्ष कृष्ण बहादुर सिंह ने कहा कि ने कांग्रेस पार्टी हमेशा से श्रमिकों और वंचित वर्ग के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। मनरेगा के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार को श्रमिकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करते हुए योजना को पूर्ववत लागू करना चाहिए।इस अवसर पर अनिल सिंह अन्नू, सादिक अहमद, ज्ञानेंद्र पांडेय, पंकज चतुर्वेदी, सतीश चन्द्र त्रिपाठी, इश्तियाक चौधरी, गालिब बिसेन, अकील अहमद मुन्नू, मैनुद्दीन प्रधान, शमशाद अहमद, अश्विनी सिंह सोलंकी, श्याम किशोर पांडेय, रियाज़ मनिहार, आसिफ़ रिज़वी, डॉ प्रमोद कुमार, होरी लाल श्रीवास्तव, बीपत राम शर्मा, रियाजउद्दीन राईनी, शौकत अली, उमेश गौतम, शब्बीर अहमद, जैसराम, हलीम, गुरु प्रसाद, लालजी गुप्ता, भावनाथ मिश्रा, इनायतुल्लाह, शकील अहमद, बैतुल्लाह सहित सैंकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दबंगों के हमले में युवक मरणासन्न, अस्पताल में भर्ती

कौशाम्बी। संदीपनघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत चिकवन का पूरा गांव में दबंगों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर उसे मरणासन्न कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राकेश दिवाकर नामक युवक को भूमि विवाद के चलते क्षेत्रीय भूमाफिया और उसके गुर्गों ने रास्ते में घेर लिया। आरोपियों ने लाठी-डंडों से युवक की बेरहमी से पिटाई की, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। आनन-फानन में परिजनों ने घायल को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है, जहाँ चिकित्सकों ने उसकी हालत अत्यंत चिंताजनक बताई है।

ज्ञात हो कि पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि इस विवाद को लेकर पहले भी पुलिस को लिखित सूचना दी गई थी, लेकिन समय रहते उचित कार्रवाई न होने से हमलावरों के हौसले बढ़ गए। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद से पूरे गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से दोषियों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई करने और क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

किसानों की समस्याओं का समाधान संवाद एवं न्याय से किया जाये - अनुज सिंह

किसान क्रान्ति जेल भरो आंदोलन 14 फरवरी को

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किसानों पर बढ़ते पुलिस उत्पीड़न, झूठे मुकदमों और प्रशासनिक दमन के खिलाफ अनुज सिंह के नेतृत्व में 'किसान क्रान्ति जेल भरो आंदोलन' का आयोजन 14 फरवरी को प्रयागराज के धूमनगंज थाने पर किया जाएगा।

भारतीय किसान यूनियन के युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह ने बताया कि इस आंदोलन के अंतर्गत किसान और किसान समर्थक शांतिपूर्ण तरीके से स्वेच्छा से गिरफ्तारी देंगे। आंदोलन का उद्देश्य किसी भी प्रकार की हिंसा फैलाना नहीं, बल्कि संविधान प्रदत्त अधिकारों के तहत अन्याय के खिलाफ आवाज़ बुलंद करना है।

आज किसान अपने हक और सम्मान की मांग करता है तो उसे पुलिसिया दमन का सामना करना पड़ता है। जब शांतिपूर्ण विरोध को अपराध बनाया जा रहा हो, तब जेल जाना ही संघर्ष का प्रतीक बन जाता है।

अनुज सिंह ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन सरकार और प्रशासन को चेतावनी है कि किसानों की समस्याओं का समाधान लाठी, मुकदमे और गिरफ्तारी से नहीं, बल्कि संवाद और न्याय से किया जाए। यदि उत्पीड़न नहीं रुका, तो किसान आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। किसान क्रान्ति जेल भरो आंदोलन लोकतंत्र, न्याय और किसान अधिकारों की रक्षा के लिए एक शांतिपूर्ण लेकिन निर्णायक संघर्ष है। उन्होंने कहा कि न्याय और अधिकारों की यह लड़ाई जारी रहेगी।

राजस्व वसूली में ढिलाई पर तीन अधिकारियों का वेतन रोका

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। कलेक्ट्रेट स्थित उदयन सभागार में आयोजित राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाया है। विभिन्न मदों में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष वसूली कम पाए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में मंडी सचिवों, खनन अधिकारी और तहसीलदार चायल का वेतन अग्रिम आदेशों तक रोकने के निर्देश दिए हैं।

ज्ञात हो कि समीक्षा के दौरान आरसी वसूली और वरासत के लंबित प्रकरणों पर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र के भू-माफियाओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध गुंडा एक्ट व अन्य सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में सुधार न होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध शासन को प्रतिकूल पत्राचार किया जाएगा।

9 किलो से अधिक गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पिपरी पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान एक अंतरजनपदीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 09 किलो 360 ग्राम अवैध गांजा और तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है।

ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में अपराध नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत 11/12 फरवरी 2026 की रात पिपरी पुलिस टीम गश्त पर थी। इसी दौरान सटीक मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दुल्हापुर नहर पुलिया के पास घेराबंदी की। पुलिस ने वहां से राजकुमार उर्फ राजू केशरवानी निवासी भगवानपुर, सराय अकिल को दबोच लिया।

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगा केंद्रीय बजट

कौशाम्बी। सिराथू ब्लॉक सभागार में आयोजित 'बजट चौपाल' के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने केंद्रीय बजट 2026 की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट देश को आत्मनिर्भर बनाने और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने वाला है। जिला प्रभारी अवधेश चंद्र गुप्ता ने बजट को वित्तीय स्थिरता और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ऐतिहासिक बताया।

ज्ञात हो कि वक्ताओं ने बजट के डिजिटल और विनिर्माण क्षेत्र पर केंद्रित प्रावधानों की चर्चा करते हुए इसे मध्यम वर्ग के लिए राहतकारी बताया। चौपाल में वक्ताओं ने कहा कि यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक ठोस रोडमैप तैयार करता है। इस दौरान मंडल अध्यक्षों सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय कार्यकर्ता व स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सिद्धार्थ बार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष की अगुवाई में अधिवक्ता की हत्या पर रोष

सिद्धार्थनगर। जिले के सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन सिद्धार्थनगर की एक अति आवश्यक बैठक हुई जिसमें अधिवक्ता गण एक मत होकर रामपुर कांड जहां अधिवक्ता फारूक अहमद की नृशंस हत्या की निंदा किया और महामहिम राज्यपाल को जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर के माध्यम से ज्ञापन देते हुए यह मांग किया गया कि 1-अधिवक्ता प्रोटेक्शन प्रोटेक्शन एक्ट तत्काल उत्तर प्रदेश में लागू किया जाए।

मृतक अधिवक्ता के मुकदमे को फास्ट्रेक कोर्ट के द्वारा दिन प्रतिदिन लगाकर त्वरित गति से निस्तारित करके अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा से दंडित किया जाए। मृतक अधिवक्ता के परिवार को एक करोड़ की मुआवजा उत्तर प्रदेश सरकार तत्काल दे। इस ज्ञापन को लेकर अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह के अध्यक्षता में इंदु कुमार सिंह पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र श्रीवास्तव पूर्व अध्यक्ष विमल मिश्रा सदस्य कार्यकारणी मनोज कुमार मिश्रा विकास मिश्रा सतीश कुमार चौरसिया सच्चिदानंद झा श्री कृष्णा मिश्रा ब्रह्मदेव मिश्रा असगर अली बृजेश कुमार पांडे प्रमोद सिंह प्रशासनिक मंत्री दिव्य प्रकाश शुक्ला पूर्व महामंत्री विजेंद्र पांडे अजय कुमार पांडे प्रदीप सिंह पूर्व कोषाध्यक्ष नागेंद्र नाथ पांडे सदस्य कार्यकारिणी राजेश मिश्रा पूर्व कोषाध्यक्ष दिनेश तिवारी देवेंद्र मणि त्रिपाठी मिथिलेश मिश्रा सुधाकर मिश्रा अच्युतानंद मिश्र नारद मुनि पांडे मनोज मिश्रा बृजेश पाठक विवेक पांडे अखिलेश कुमार रवि कुमार पांडे मराकर पांडे राम शंकर पांडे अश्वनी श्रीवास्तव उमाशंकर पांडे अशोक त्रिपाठी ओम शंकर पांडे आदि अधिवक्ता गण जबरदस्त नारेबाजी करते हुए अधिवक्ता के हत्यारे को फांसी दो फांसी दो अधिवक्ता प्रोटेक्शन प्रोटेक्शन एक्ट लागू करो लागू करो करते हुए आदरणीय जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर को ज्ञापन दिया। जिसको उन्होंने महामहिम राजपाल तक पहुंचाने का आश्वासन दिया और अधिवक्ता समुदाय को आश्वस्त करते हुए यह कहा कि जिलाधिकारी रामपुर से भी वार्ता कर त्वरित कार्रवाई करायेंगे।

प्रभारी न्यायाधीश/अपर न्यायाधीश प्रथम की अध्यक्षता में 22 फरवरी को सोरांव में आयोजित मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर के आयोजन के संबंध में बैठक सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा माननीय कार्यपालक अध्यक्ष/वरिष्ठ न्यायमूर्ति, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज सत्य प्रकाश त्रिपाठी के निर्देशानुसार राम प्रताप सिंह राणा, प्रभारी जनपद न्यायाधीश/अपर जनपद न्यायाधीश प्रथम की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय के समस्त न्यायिक अधिकारीगण और प्रशासन के समस्त विभागों की बैठक आगामी दिनांक 22.02.2026 को मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर के आयोजन के संबंध में गुरूवार को सभागार जनपद न्यायालय, प्रयागराज में प्रातः 10 बजे आयोजित आयोजित की गई। इस अवसर पर समस्त विभागो के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारीगण को बताया गया कि विभिन्न विभागों जिनके अंतर्गत निर्बल वर्ग, दिव्यांगों, बच्चों, स्त्रियों, निर्धन वर्ग, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति हेतु जनकल्याणकारी योजनाएं प्रचलित है व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के उद्देश्यों व कर्तव्य के अंतर्गत आती हैं इन विभागों को लक्षित योजनाओं को प्राधिकरण के उद्देश्य व कर्तव्यों के आधार पर चिन्हित किया जाए तथा उक्त मेगा शिविर का हिस्सा बनाया जाए। महिला सशक्तिकरण, जन सामान्य निर्धन बीमा योजनाएं, असंगठित श्रम विभाग, जल संरक्षण संबंधी योजनाएं, उन्हें विधिक साक्षरता तक भाग बनाते हुए उनका व्यापक प्रचार प्रसार कर दिनांक 22.2.2026 को आयोजित

राम दुलारी बच्चू लाल जायसवाल पी 0 जी0 कॉलेज, नवाबगंज, सोरांव में आयोजित मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक किया जाए। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज शशि कुमार द्वारा विभागों को एक साथ काम करने हेतु प्रेरित करते हुए बताया गया कि परा विधिक स्वयंसेवक की सहायता से समस्त तहसीलों, ग्राम पंचायत में ऐसे लोगों को चिन्हित किया जाए जिन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कराया जा सकता है। सचिव द्वारा समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं से प्रशासन के अन्य विभागों को अवगत कराते हुए अधिक से अधिक लाभान्वित होने की संख्या बढ़ने पर जोर दिया गया। यह जानकारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज द्वारा प्रदान की गई।

डॉ जी एस तोमर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के कायचिकित्सा विभाग में प्रायोजित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस काशी काय संगमम् में बीएचयू के माननीय कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी, चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक डायरेक्टर डॉ एस एन शंखवार, ने आयुर्वेद संकाय के डीन प्रो पी के गोस्वामी एवं कायचिकित्सा के विभागाध्यक्ष डॉ राजेन्द्र प्रसाद, डॉ के एन मूर्ति, डॉ जे एस त्रिपाठी एवं डॉ ओ पी सिंह की उपस्थिति में विश्व आयुर्वेद मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ जी एस तोमर को चिकित्सा के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया।

प्रयागराज-हज़रत निज़ामुद्दीन होली विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित होली विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन) के संचालन का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. 04123/04124 प्रयागराज-मानिकपुर-हज़रत निज़ामुद्दीन विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04123			गाड़ी संख्या - 04124	
प्रयागराज - हज़रत निज़ामुद्दीन			हज़रत निज़ामुद्दीन - प्रयागराज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
.....	14:50	प्रयागराज	09:10	.....
15:25	15:27	शंकरगढ़	07:35	07:37
16:03	16:05	इभौरा	07:05	07:07
16:45	16:50	मानिकपुर	06:30	06:35
17:16	17:18	चित्रकूट धाम कर्वी	04:38	04:40
17:44	17:46	अतर्रा	04:10	04:12
18:35	18:40	बाँदा	03:40	03:45
19:23	19:25	महोबा	02:40	02:42
19:42	19:44	कुलपहाड़	02:00	02:02
20:10	20:12	हरपालपुर	01:35	01:37
21:03	21:05	मऊरानीपुर	01:15	01:17
22:35	22:40	वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी	00:05	00:10
01:05	01:10	ग्वालियर	22:15	22:20
04:20	04:22	धौलपुर	20:23	20:25
06:20	06:25	आगरा कैंट	19:05	19:10
07:50	07:55	मथुरा	18:05	18:10
08:50	08:52	कोसी कलाँ	17:18	17:20
11:35	.....	हज़रत निज़ामुद्दीन	.....	15:45

• **प्रयागराज से** गाड़ी संख्या 04123, प्रत्येक बुधवार एवं रविवार, **दिनांक** : 18.02.2026 से 08.03.2026 • **हज़रत निज़ामुद्दीन से** गाड़ी संख्या 04124, प्रत्येक गुरूवार एवं सोमवार, **दिनांक** : 19.02.2026 से 09.03.2026

गाड़ी संरचना : स्लीपर श्रेणी : 08, सामान्य श्रेणी : 09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी : 01, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी : 01

नोटः ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 323/26(AS)

श्रृंगवेरपुर की जल्द बदलेगी तस्वीर, 70 फीसदी पूरा हुआ निषादराज गुह्य सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण

त्याग और समानता की मिसाल श्रृंगवेरपुर, अब बनेगा नई पीढ़ी की प्रेरणा : जयवीर सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। रामनगरी अयोध्या की तर्ज पर प्रभु श्रीराम के परम भक्त निषादराज की राजधानी श्रृंगवेरपुर को भव्य और आकर्षक रूप दिया जा रहा है। प्रयागराज जिले के इस ऐतिहासिक व पौराणिक स्थल पर निषादराज गुह्य सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण तेज गति से जारी है। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग की इस महत्वाकांक्षी परियोजना की लागत 19.61 करोड़ रुपये है और लगभग 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, जिससे स्पष्ट है कि सरकार इस परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस सांस्कृतिक केंद्र की सबसे खास पहचान इसका म्यूजियम ब्लॉक है, जहां श्रीराम और निषादराज की अमर कथा चित्रों के माध्यम से जीवंत की जाएगी। यह संग्रहालय उनके आत्मीय संबंधों और सामाजिक समरसता की कहानी बताएगा। म्यूजियम ब्लॉक का ढांचा तैयार है, फिनिशिंग का काम जारी है और प्लास्टर कार्य पूरा हो चुका है।

इस परियोजना में लगभग 400 लोगों की क्षमता वाला आधुनिक ऑडिटोरियम भी है, जहां विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ऑडिटोरियम में स्टेप स्लैब

का काम प्रगति पर है और ब्रिकवर्क पूरा हो चुका है। साथ ही पूरे परिसर में आर्किटेक्चरल व स्ट्रक्चरल कार्य, विद्युत और आंतरिक जल आपूर्ति की व्यवस्था की जा रही है। बाउंड्री वॉल तैयार है। स्टोन वर्क कर्टेन क्लैडिंग, लैंडस्केपिंग, सेंट्रल इंफॉर्मेशन बोर्ड, मुख्य द्वार, गार्ड रूम, इंटरलॉकिंग रोड, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, सेप्टिक टैंक, सोकपिट और अंडरग्राउंड टैंक विकसित किए जा रहे हैं। मेटल सिल्हौटी और पंप कक्ष भी बनाए जा रहे हैं।

इस पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि श्रृंगवेरपुर केवल एक ऐतिहासिक स्थल नहीं है, बल्कि त्याग, समर्पण और सामाजिक समरसता की अमर प्रतीक भूमि है। यह वह पावन धरा है जहां भगवान श्रीराम और निषादराज गुह्य का मिलन हुआ, जिसने भारतीय संस्कृति में समानता, आत्मीयता और सच्ची मित्रता का अद्भुत संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रामराज्य की परिकल्पना के अनुरूप इस दिव्य प्रसंग को आधुनिक स्वरूप में जीवंत किया जा रहा है, ताकि नई पीढ़ियां न केवल इस गौरवशाली इतिहास को जानें, बल्कि रामराज्य की मूल भावना न्याय, समरसता और सर्वहित को भी गहराई से समझ सकें। इसी भावना को सशक्त रूप देने के लिए निषादराज सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण कराया जा रहा है, जो निषाद समाज के स्वाभिमान और गौरव को नई पहचान देगा।

प्रयागराज से लखनऊ रोड पर लगभग 45 किमी दूर स्थित श्रृंगवेरपुर को रामायण में निषादराज की राजधानी बताया गया है। यहां उत्खनन में श्रृंगी ऋषि का मंदिर मिला, जिनके नाम पर नगर का नाम पड़ा। यहीं भगवान राम ने एक रात विश्राम किया था। मांझी के मना करने पर निषादराज ने चरण धोने की अनुमति लेकर गंगा जल से चरण धोए और उसे ग्रहण कर श्रद्धा प्रकट की। यह स्थान आज भी आस्था का केंद्र है। यह विकास श्रृंगवेरपुर को आस्था, संस्कृति और पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनाएगा।

पत्रकार उत्पीड़न के खिलाफ आक्रोश, सड़कों पर उतरे मीडियाकर्मी

कौशाम्बी। पत्रकार उत्पीड़न की एक घटना ने तूल पकड़ लिया है। गुरुवार को जनपद के मंझनपुर मुख्यालय में भारी संख्या में पत्रकारों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया और अपने साथी पत्रकार इश्तियाक अहमद के खिलाफ हुई पुलिसिया कार्रवाई का विरोध किया। जिला पंचायत स्थित चौराहे पर एकत्रित हुए पत्रकारों ने जमकर नारेबाजी की। पत्रकारों का कहना है कि यह कार्रवाई पूरी तरह से द्वेषपूर्ण है और उन्हें जेल भेजने की तैयारी की जा रही है। संदीपन घाट थाना क्षेत्र में हुई एक मारपीट की घटना में पत्रकार इश्तियाक अहमद को साजिश के तहत फंसाया गया है। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि जिस वक्त वह घटना हुई, इश्तियाक अहमद एक शादी समारोह में मौजूद थे। इसके बावजूद, पुलिस ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पत्रकार संगठनों ने दो टूक शब्दों में कहा है कि जब तक न्याय नहीं मिल जाता और दर्ज प्राथमिकी की निष्पक्ष समीक्षा नहीं होती, उनका यह आंदोलन और धरना प्रदर्शन अनवरत जारी रहेगा।

जिलाधिकारी ने तहसील बारा पहुंचकर तहसील परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया

जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से निस्तारित करने के जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने गुरूवार को तहसील बारा पहुंचकर तहसील परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया तथा आवश्यक निर्देश दिये हैं। उन्होंने तहसील परिसर में स्थित उपजिलाधिकारी, तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार के कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों एवं पटल का भ्रमण कर प्रशासनिक कार्यों, अभिलेखों का रख-रखाव, पत्राचार, पुराने प्रकरणों के निस्तारण की स्थिति, जनसुनवाई व्यवस्था और कार्मिकों की कार्यप्रणाली की जांच करते हुए आवश्यक निर्देश दिये हैं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से उनसे सम्बंधित कार्यों के बारे में जानकारी ली और सभी सम्बंधित अधिकारियों को प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने तहसील परिसर एवं सभी कक्षों में साफ-सफाई की अच्छी व्यवस्था और पत्रावलियों के रखरखाव को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यालयी अनुशासन और कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन की सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से यथोचित निर्णय लेते हुए प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए हैं। लोगो को एक ही कार्य के लिए तहसील का बार-बार चक्कर न लगाना पड़े, इसलिए शिकायतों के निस्तारण की मानीटरिंग को और प्रभावी बनाये जाने के लिए कहा। कहा कि सभी जनशिकायती पत्रों में शिकायतकर्ता का नाम मोबाइल नम्बर अवश्य लिखा रहे तथा सभी प्रकरणों में फीडबैक अवश्य लिया जाये।

उन्होंने उपजिलाधिकारी बारा से सभी पुराने लम्बित प्रकरणों को नियमित सुनवाई करते हुए प्राथमिकता पर निस्तारित करने के लिए कहा है। उन्होंने उप जिलाधिकारी कोर्ट में सबसे पुराने समय से लम्बित फाइलों की जानकारी लेते हुए 2013 से लम्बित सबसे पुरानी फाइल को निकलवाकर देखा तथा उपजिलाधिकारी बारा को उसकी सुनवाई कर निस्तारित किए जाने के लिए कहा। उन्होंने पांच वर्ष व 3 वर्ष से अधिक पुराने समय से लम्बित फाइलों की छंटनी कराये जाने तथा ऐसे पुराने समय से लम्बित प्रकरणों में नियमित सुनवाई करते हुए इन्हें प्राथमिकता पर निस्तारित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी फाइलों को रजिस्टर में अवश्य दर्ज करने एवं लम्बित तथा निस्तारित प्रकरणों की फाइलों को अलग-अलग कर सभी को सुव्यवस्थित ढंग से रखे जाने के लिए कहा।

जिलाधिकारी ने तहसीलदार

से सम्बंधित कोर्ट का निरीक्षण किया तथा पत्रावलियों का रख-रखाव एवं उनके निस्तारण की स्थिति को देखा। उनके द्वारा सबसे अधिक समय से लम्बित प्रकरण के बारे में पूछे जाने पर बताया गया कि तहसीलदार कोर्ट में सबसे पुरानी लम्बित फाइल वर्ष 2014 की धारा-35 म्यूटेशन से सम्बंधित है, जिसपर जिलाधिकारी ने फाइल को निकलवाकर देखा तथा सम्बंधित प्रकरण को जल्द से जल्द निस्तारित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने तत्पश्चात नायब तहसीलदार कोर्ट बारा, शंकरगढ़ का भी निरीक्षण किया तथा वहां पर पांच साल व तीन साल से अधिक सभी पुराने लम्बित प्रकरणों को एक साथ सूचीबद्ध करते हुए नियमित सुनवाई पर लगाकर ऐसे प्रकरणों को प्राथमिकता पर निस्तारित करने के लिए कहा है। उन्होंने अंश निर्धारण, वरासत, धारा-32/38, धारा-24 आदि से सम्बंधित अविवादित प्रकरणों में सम्बंधित पक्षों की सुनवाई करते हुए तत्काल निस्तारित करने के लिए निर्देशित किया है।

तत्पश्चात जिलाधिकारी ने अभिलेखागार, संग्रह अनुभाग सहित अन्य कक्षों का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उन्होंने अभिलेखागार में परगना अरैल ग्राम सेमरा कला के बस्ते को खुलवाकर देखा, जिसमें वर्षवार खसरा, खतौनी, 41 एवं 45 अभिलेखों का उचित रख-रखाव नहीं पाया गया, जिसपर जिलाधिकारी ने पुराने अभिलेखों की टेपिंग/बाइडिंग कराकर उन्हें सुरक्षित ढंग से रखे जाने के लिए निर्देश दिए है। उन्होंने संग्रह अनुभाग का निरीक्षण किया तथा तहसील के सबसे बड़े बकायेदारों की जानकारी लेते हुए वसूली न होने की दशा में बकायेदारों की सम्पत्ति का मूल्यांकन के पश्चात उसकी नीलामी की कार्यवाही करने के लिए कहा है।

उन्होंने सभी पटल सहायकों को समय से उपस्थित होने तथा उनसे सम्बंधित कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समयसीमा में निस्तारित करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने तहसील परिसर में भवनों के जर्जर हिस्सों के मरम्मतीकरण हेतु व्यय का आगणन कराकर प्रस्ताव भेजे जाने के लिए कहा है। उन्होंने तहसील परिसर में पेयजल व साफ-सफाई की अच्छी व्यवस्था कराये जाने के लिए कहा है।

तत्पश्चात जिलाधिकारी ने बारा तहसील स्थित ग्राम टिकरीकला में अमृत सरोवर की खुदाई के कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने सम्बंधित लेखपाल से तालाब के वास्तविक क्षेत्रफल एवं सीमाओ की जानकारी लेते हुए तालाब की पैमाइश कराये जाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि पैमाइश में यदि अभिलेखों में दर्ज तालाब के क्षेत्रफल में कुछ कमी पायी जाये तो अभिलेखों में दर्ज तालाब के सम्पूर्ण क्षेत्रफल का सीमांकन करते हुए अमृत सरोवर का निर्माण कराया जाये। उन्होंने अमृत सरोवर के जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण के कार्य को निर्धारित मानक के अनुसार गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द पूर्ण कराये जाने तथा मॉडल अमृत सरोवर के रूप में विकसित कराये जाने के लिए कहा है।

52 वर्ष से प्रतिदिन रूद्राभिषेक कर रहे स्वामी रामाश्रम शास्त्री

कहा कि महादेव के समान संसार में कोई दूसरा देवता नहीं

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। 68 वर्षीय अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री पीठाधीश्वर स्वामी रामाश्रम शास्त्री स्वामी महराज है जो 52 वर्ष से प्रतिदिन रूद्राभिषेक करते है। इनका कहना है कि सभी देवताओं में भगवान शिव सबसे श्रेष्ठ है इसलिए इनको महादेव कहा गया है। उन्होंने बताया कि शिव पुराण में लिखा है कि सबसे पहले भगवान शिव की लिंग के रूप में उत्तपत्ति हुई है उसके बाद भगवान ब्रह्म और भगवान विष्णु की। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन भगवान शिव का विधि विधान से अभिषेक करने से सभी समस्याएं खत्म होती है और अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

पीठाधीश्वर स्वामी रामाश्रम शास्त्री स्वामी महराज 68 वर्ष के है। उन्होने बताया कि 16 वर्ष की अवस्था में संन्यास लें लिया था। 1008 स्वामी मुनीषाश्रम जी महराज से दीक्षा लिया। वर्तमान में श्रृंगवेरपुर धाम के पास दिव्य नारायण सेवा आश्रम, पुरूषोत्तम घाट, गढवा, अखराजपुर में गंगा तट पर आश्रम स्थित है। जहां प्रतिदिन शिष्यों के साथ भगवान शिव का अभिषेक होता है।

उन्होंने बताया कि भगवान शिव का गंगाजल, दूध, दही, शहद, शंकर, घी, गन्ने का रस और कुशाग्र का जल से अभिषेक प्रतिदिन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि अभिषेक के पश्चात सफेद चंदन या भस्म लगाया जाता है। उसके बाद सफेद फूल, बेलपत्र, बेल, भांग, धतूरा, बेर, शमी पत्र सहित अन्य से अभिषेक किया जाता है।

पीठाधीश्वर स्वामी रामाश्रम शास्त्री स्वामी महराज ने बताया कि भगवान शिव के पूजन से जहां सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है ऐसे में सभी सनातनधर्मियों को भगवान शिव का पूजन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान ब्रह्म और भगवान विष्णु भी भगवान शिव का पूजन करते हुए उनको महादेव कहते है।

देव के नाज़ुक पलों में गहराई लाने को लेकर अभिषेक शर्मा ने ज़ाहिर किए जज़्बात

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी टीवी 'मर्द को दर्द नहीं होता' जैसी सोच को तोड़ते हुए ऐसे मजबूत किरदार सामने ला रहा है, जो अपनी कमजोरी दिखाने से नहीं डरते। समाज में अब भी यह गलत सोच है कि 'असली मर्द' वही होता है जो कभी टूटे नहीं, हमेशा संभला रहे और अपनी बातें दिल में ही दबाए रखे। लेकिन जब बात परिवार की आती है, तो कई पुरुष यह दिखाते हैं कि मजबूती के साथ-साथ नरमी भी हो सकती है। ज़ी टीवी के शो 'वसुधा' में देव का किरदार निभा रहे अभिषेक शर्मा ने दर्शकों के दिलों को छुआ है, सिर्फ उसकी ताकत के लिए नहीं, बल्कि उस खामोश-सी नर्मी के लिए भी, जो उसके सफर को खास बनाती है। एक आम टीवी हीरो से अलग, अभिषेक देव को कई रंगों वाला, अंदर से जुड़ा हुआ और बिल्कुल इंसानी किरदार मानते हैं। देव और वसुधा के सफर का अगला पड़ाव जानने के लिए देखिए 'वसुधा', रोज़ रात 9:30 बजे, सिर्फ ज़ी टीवी पर।

गंगा की रेती पर छवा द बंगला पर झूमे श्रोता, अवधी लोकनृत्य ने बांधा समां

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं संस्कार भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'चलो मन गंगा-यमुना तीर' कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत गुरुवार की सांस्कृतिक संध्या लोक रंग, संगीत और नृत्य की सुरमयी छटा से सराबोर रही। कलाकारों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने संगम की रेती पर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अयोध्या से आईं संगीता आहूजा एवं उनके साथी कलाकारों द्वारा प्रस्तुत अवधी लोकनृत्य से हुआ, जिसने अपनी जीवंत भंगिमाओं और लोक-संवेदना से वातावरण को उल्लासमय बना दिया। इसके पश्चात शाम्भवी शुक्ला ने अपने सुमधुर गायन से समां बांध दिया। उन्होंने 'चलो मन गंगा यमुना तीर', 'गंगा की रेती पर छवा द बंगला', 'रंग डारूंगी मैं', 'जनि जा बरसाने होरी', 'सजा दो घर को गुलशन सा' तथा 'दमादम मस्त कलंदर' जैसी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

वाराणसी से आए अमृत मिश्रा एवं वंसुधरा ने कथक नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति देकर अपनी लयकारी और भाव-भंगिमाओं से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। इसके बाद मीरजापुर से पधारे शिवलाल गुप्ता ने लोकगीतों की मधुर प्रस्तुति देते हुए 'जय होवे जयकार हो', 'मैया मोरी जय जगदेव', 'हमरे मीरजापुर में मस्ती के चाल बा', 'महिमा न जानो गंगा महरानी' एवं 'फागुन मस्त महीना हो बलम' जैसे गीतों से वातावरण को भक्तिमय और लोक-रंग में रंग दिया।

कार्यक्रम का संचालन संजय पुरुषार्थी ने किया। इस अवसर पर केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा एवं लोकगायक उदय चंद्र परदेशी ने सभी कलाकारों को पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन संगोष्ठी एवं विशाल भंडारे का होगा आयोजन

महामहोत्सव की विदाई पर प्रयागराज में होगा भव्य धार्मिक कार्यक्रम, जुटेंगे संत-महात्मा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला महोत्सव विदाई समारोह के अवसर पर धार्मिक, सामाजिक और आध्यात्मिक वातावरण से ओत-प्रोत एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन सेक्टर-1 स्थित महावीर संगम अपार्टमेंट चौराहा पर सती अनसूया आश्रम, चित्रकूट धाम, प्रयागराज के तत्वावधान में संपन्न होगा।

इस पावन अवसर पर नागा संत शिरोमणि दामोदर दास जी महाराज के दिव्य सान्निध्य में अनुष्ठान, भंडारा, साधु सेवा एवं अतिथि सेवा का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम 17 फरवरी 2026 को आयोजित होगा, जिसका शुभारंभ सायं 4 बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत समाज में व्याप्त बाल भिक्षावृत्ति की समस्या के उन्मूलन तथा बाल-बालिकाओं के शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास को लेकर बाल उन्नयन संगोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा। यह

संगोष्ठी दोपहर 1 बजे से प्रारंभ होगी, जिसमें समाजसेवी, धर्मगुरु एवं बुद्धिजीवी वर्ग भाग लेंगे।

आयोजकों ने बताया कि इस संगोष्ठी के माध्यम से बच्चों को शिक्षा से जोड़ने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने तथा भिक्षावृत्ति से मुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया जाएगा।

कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें दामोदर दास जी महाराज के शिष्य ओम दास जी, समाजसेवी मोनू गुप्ता, महावीर दास, दयाल दास, रविंद्र दास, देवेंद्र दास, वरिष्ठ पत्रकार राजेश सरकार, पत्रकार देवा श्रीवास्तव, सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। आयोजकों ने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं, समाजसेवियों एवं क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस पुनीत आयोजन में सहभागिता करें और कार्यक्रम को सफल बनाएं।

कला से अनुभूति तकः 'विंसेंट-एर मृत्यु' ने मंच पर रचा संवेदनाओं का कैनवास

भारत रंग महोत्सव के दूसरे दिन कलाकारों ने जीता 'दर्शकों का दिल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा एवं उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भारत रंग महोत्सव के दूसरे दिन प्रेक्षागृह गुरुवार की संध्या मात्र एक रंगमंच नहीं रहा, बल्कि वह एक ऐसा 'फ्रेम' बन गया जहाँ कलाकार और दर्शक के बीच मानवीय संवेदनाओं का इतिहास रचा गया। भारत रंग महोत्सव के अंतर्गत कासबा अर्घ्य, कोलकाता की नाट्य प्रस्तुति 'विंसेंट-एर मृत्यु ' ने न केवल आँखों को नम किया, बल्कि मंच पर 'कंपोजिशन' और 'इमोशन्स' का एक ऐसा कोलाज प्रस्तुत किया, जो दुर्लभ है। प्रकाश की लकीरों में ढलती संवेदना को जब दर्शक मंच को देखता है, तो वह केवल पात्रों को नहीं, बल्कि उनके पीछे छिपे मौन को भी कैद करना चाहता है। कोलकाता की नाट्य संस्था कासबा अर्घ्य द्वारा प्रस्तुत नाटक 'विंसेंट-एर मृत्यु' ने विश्वप्रसिद्ध डच चित्रकार विंसेंट वान गॉग के जीवन को रंगमंचीय भाषा में अत्यंत प्रभावशाली ढंग से साकार किया। मनीष मित्रा द्वारा लिखित एवं निर्देशित इस प्रस्तुति ने वान गॉग के छोटे किंतु तीव्र और संघर्षशील जीवन की संवेदनात्मक यात्रा को एक जीवंत उत्सव के रूप में मंच पर उतारा, जिसकी परिणति वर्ष 1890 में उनकी मृत्यु के साथ होती है।

नाटक की संरचना में वान गॉग की प्रसिद्ध पेंटिंग्स के प्रोजेक्शन,

भाव-प्रधान संगीत और गैर-रेखीय कथन शैली का सशक्त संयोजन देखने को मिला। अतियथार्थवादी दृश्य संरचनाएँ, शारीरिक अभिनय और प्रकाश की सूक्ष्म रेखाओं ने कलाकार की आंतरिक मानसिक दुनिया को मूर्त रूप दिया। प्रस्तुति ने दर्शकों को एक इमर्सिव अनुभव प्रदान करते हुए यह अनुभव कराया कि कला केवल दृश्य नहीं, बल्कि अनुभूति का विस्तार है।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अजय कुमार मिश्रा, पुलिस महानिरीक्षक, प्रयागराज कमिश्नरेट, केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा, उपनिदेशक डॉ. मुकेश उपाध्याय एवं कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर कलाप्रेमी, गणमान्य तथा एनएसडी के प्रतिनिधि प्रशासन उपस्थित रहे।

आज उद्योग की परिभाषा है निवेश, निर्यात और आर्थिक समृद्धि : 2017 से पहले प्रदेश में अपहरण, गुण्डा टैक्स और अपराध थी उद्योग की परिभाषा - नन्दी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश विधानसभा बजट सत्र के 2026-27 के चौथे दिन उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने विधान सभा में विधायक डॉ. रागिनी सोनकर, विधायक डॉ. हृदय नारायण सिंह पटेल एवं विधायक समरपाल सिंह द्वारा पूछे गए तारांकित प्रश्नों का जवाब देते हुए प्रदेश की आर्थिक एवं औद्योगिक प्रगति के साथ ही रोजगार परक योजनाओं एवं प्रयासों से अवगत कराया। वहीं इस दौरान मंत्री नन्दी ने समाजवादी पार्टी की सरकार में प्रदेश की औद्योगिक गति, दुर्दशा एवं गुण्डाराज पर तीखा हमला बोला।

मंत्री नन्दी ने कहा कि 2017 से पहले पिछली सरकारों में उत्तर प्रदेश का परसेप्शन उल्टा प्रदेश था, गुण्डा प्रदेश था। वहीं उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य कहा जाता था। आज उत्तर प्रदेश निवेश का प्रमुख गंतव्य बन कर उभरा है। मंत्री नन्दी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के सदस्य अगर धरातल पर रहते तो उन्हें धरातल की जानकारी होती। इनकी इंस्टाग्राम रील से शुरू होने वाली राजनीति फेसबुक तक पहुंच कर दम तोड़ देती है। पिछली सरकारों में अराजकता और अपराध के परिवेश में निवेश वेंटीलेटर पर था। समाजवादी पार्टी की सरकार में वन डिस्ट्रिक वन माफिया सिस्टम हावी था। वहीं आज वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट के साथ उत्तर प्रदेश प्रगति की ओर अग्रसर है। सपा सरकार में उत्तर प्रदेश माफियाओं के लिए स्वर्ग था, वहीं आज डबल इंजन की सरकार में उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स के लिए स्वर्ग है।

विधायक डॉ. रागिनी सोनकर द्वारा विधानसभा में तारांकित प्रश्न पिछले नौ वर्षों में औद्योगिक विभाग द्वारा धरातल पर कितने प्रतिशत औद्योगिक परियोजनाएं क्रियान्वित हो पाई हैं और प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कितनी वृद्धि हुई है का जवाब देते हुए मंत्री नन्दी ने कहा कि 2018 से अब तक हुए चार ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से 12.10 लाख करोड़ रूपए की लागत से 16 हजार 478 औद्योगिक इकाईयों की ग्राउण्डिंग हुई है। जिसमें से अब तक 6 हजार 352 इकाईयों द्वारा अपना वाणिज्यिक उत्पादन प्रारम्भर कर दिया गया है। मंत्री नन्दी ने सदन में जवाब देते हुए कहा कि 2016-17 के दौरान सकल राज्य घरेलु उत्पाद 13.30 लाख करोड़ था। वहीं वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद 30.25 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। जिसके अनुसार जीएसडीपी में 127 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

मंत्री नन्दी ने कहा कि 2017 के पहले कोई निवेशक उत्तर प्रदेश

में आना नहीं चाहता था। कोई उद्यमी यहां उद्योग लगाना नहीं चाहता था। अराजकता, भय और आशंका ने उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास को पंचर कर रखा था। आज गाजियाबाद से लेकर गोरखपुर तक और हमीरपुर से लेकर लखीमपुर तक प्रत्येक जनपद औद्योगिक विकास की रोशनी से जगमगा रहा है। 2017 से पहले प्रदेश में उद्योग की परिभाषा थी- अपहरण, गुण्डा टैक्स और अपराध। आज उद्योग की परिभाषा है निवेश, निर्यात और आर्थिक समृद्धि। प्रदेश में अब तक हुए ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से अब तक 38.55 प्रतिशत इकाईयों ने वाणिज्यिक उत्पादन धरातल पर प्रारम्भ कर दिया है। इस दौरान उत्तर प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 127 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज हुई है। इसक विस्तृत विवरण सदन के सामने प्रस्तुत किया है।

मंत्री नन्दी ने सदन में विधायकों के प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि हमारी नीति, नियत और निर्णय तीनों स्पष्ट है। हमारा एक ही विजन है उत्तर प्रदेश का औद्योगिक विकास, हमारा एक ही मिशन है उत्तर प्रदेश की आर्थिक समृद्धि। मंत्री नन्दी ने कहा कि आजादी के बाद से 2016-2017 तक प्रदेश में 14 हजार 169 फैक्ट्रियां स्थापित थीं। वहीं 2024-25 तक प्रदेश में स्थापित फैक्ट्रियों की संख्या 27 हजार 351 पहुंच गई है। केवल आठ वर्ष में 13 हजार 182 फैक्ट्री स्थापित हुई है। मंत्री नन्दी ने कहा कि हमारी सरकार अब तक 16 हजार 592 करोड़ का इंसेंटिव उद्यमियों को दे चुकी है।

विधायक डॉ. हृदय नारायण सिंह पटेल ने तारांकित प्रश्न के माध्यम से पूछा था कि अब तक सम्पन्न हुए ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी में कितनी कम्पनियों ने प्रतिभाग किया, कितने का इनवेस्टमेंट हुा और कितने को रोजगार मिला। इस प्रश्न का जवाब देते हुए मंत्री नन्दी ने अब तक सम्पन्न हुए ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी का पूरा आंकड़ा रखते हुए बताया कि एक अप्रैल 2017 से तीन फरवरी 2026 तक फैक्ट्री एक्ट मैनेजमेंट सिस्टम पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार कुल 15 लाख 99 हजार 699 कर्मकारों को रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ।

विधायक समरपाल सिंह द्वारा निर्मित एवं प्रस्तावित एक्सप्रेस की संख्या के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मंत्री नन्दी ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में कुल पांच एक्सप्रेसवे संचालित हैं। एक एक्सप्रेसवे निर्माणाधीन है। वहीं आठ एक्सप्रेसवे प्रस्तावित है। विगत तीन वर्षों में निर्मित एवं संचालित चार एक्सप्रेसवे के मेंटीनेंस में कुल 1000.72 करोड़ की धनराशि यूपीडा द्वारा व्यय की गई है।

सम्पादकीय

आठ लाख से ज्यादा लोग लापता, दिल्ली के आंकड़ों ने बढ़ाई चिंता, तंत्र की लापरवाही दे रही है अपराधियों को मौका

देश भर में हर साल बड़ी संख्या में लोग लापता हो जाते हैं, जिनमें ज्यादातर बच्चे, महिलाएं और लड़कियां शामिल होती हैं। इस वर्ष जनवरी के पहले पखवाड़े में दिल्ली से आठ सौ से अधिक लोगों के लापता होने की खबरों ने इस मसले की गंभीरता को फिर से उजागर किया है। मगर हैरत की बात है कि इस आपराधिक समस्या से निपटने के लिए अब तक राष्ट्रीय स्तर पर कोई एकीकृत प्रयास होते नजर नहीं आए हैं। यहां तक कि लापता होने की घटनाएं और उनमें से कितने लोगों को ढूंढ़ लिया गया तथा ऐसे मामलों के पीछे किसका हाथ था, इसका एकीकृत राज्यवार ब्योरा भी मुश्किल से दर्ज हो पाता है।

यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को इस मसले पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से कहा कि वह इस बात का पता लगाए कि देश के विभिन्न हिस्सों में बच्चों के लापता होने की घटनाओं के पीछे किसी देशव्यापी गिरोह या राज्य-विशिष्ट समूह का हाथ तो नहीं है। इसके लिए तमाम राज्यों से ऐसे मामलों की संख्या और कार्रवाई का ब्योरा संकलित कर उनका विश्लेषण करने का निर्देश भी दिया गया है।

गौरतलब है कि देश भर में बच्चों की गुमशुदगी के मामलों से संबंधित आंकड़ों के संकलन के लिए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से एक पोर्टल बनाया गया है, जिस पर सभी राज्य ऐसी घटनाओं का ब्योरा दर्ज करा सकते हैं। मगर, इस प्रक्रिया में भी सरकारी तंत्र की उदासीनता साफ देखी जा सकती है। केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में खुद यह बात स्वीकार की है कि कुछ राज्यों ने लापता बच्चों और उनसे संबंधित अभियोजन से जुड़े आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं।

दरअसल, पिछले वर्ष दिसंबर में शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को लापता बच्चों के सिलसिले में छह साल के राष्ट्रव्यापी आंकड़े उपलब्ध कराने और ऐसे आंकड़ों के संकलन में राज्यों के साथ प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने को कहा था। इससे पहले राज्यों को बच्चों की गुमशुदगी के मामलों की निगरानी के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति का निर्देश भी दिया गया था। इसके बावजूद अगर राज्यों की ओर से संबंधित ब्योरा उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, तो इससे सरकारी तंत्र में व्यवस्थागत खामियों का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

इसमें दोराय नहीं कि देश की राजधानी दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों में विशेषकर बच्चों, महिलाओं और लड़कियों के लापता होने की घटनाएं जितनी बड़ी संख्या में सामने आ रही हैं, उससे इस आशंका को दरकिनार नहीं किया जा सकता है कि इसके पीछे देशव्यापी या राज्य स्तरीय गिरोहों का हाथ हो सकता है। इसलिए इस बात की गहन जांच-पड़ताल जरूरी है कि लापता होने की ज्यादातर घटनाओं में किसी तरह कोई समानता तो नहीं है! मगर यह तभी संभव होगा, जब राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे मामलों से जुड़े आंकड़ों का संकलन हो पाएगा।

इस मसले की गंभीरता का अंदाजा राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की एक रपट से लगाया जा सकता है, जिसके मुताबिक, वर्ष 2023 में देश भर में आठ लाख से ज्यादा लोग लापता हुए थे। दिल्ली जैसे बड़े शहरों में यह समस्या ज्यादा गंभीर है। ऐसे में जरूरी है कि हर राज्य अपनी जिम्मेदारी को समझे और लापता होने के मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अगर कहीं कोई लापरवाही बरती जाती है, तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए, ताकि व्यवस्था में आम लोगों का भरोसा कायम रह सके।

संसद बनी बंधक- संविधान का अपमान कौन कर रहा है?

वर्ष -2026 का बजट सत्र हल्ले-गुल्ले और अराजकता की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है। यहाँ बजट के अतिरिक्त अन्य सभी विषयों को उठाए जाने का प्रयास हो रहा है। स्थितियां इतनी विकट हैं कि संसदीय इतिहास में पहली बार राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री लोकसभा में उत्तर नहीं दे सके और राष्ट्रपति का अभिभाषण बिना किसी चर्चा के पारित हो गया। यद्यपि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में 97 मिनट लंबा और प्रभावशाली उत्तर दिया। राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने विपक्ष द्वारा की गई सभी टिप्पणियों का संज्ञान लेते हुए अपनी बात रखी। प्रधानमंत्री मोदी का यह संबोधन देश के स्वर्णिम भविष्य और विकास की दिशा को भी दर्शाता है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण के समय हंगामा करके देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान करने के बाद जब समय आने पर राहुल गांधी को बोलने का अवसर दिया गया तो उन्होंने विषय से इतर जाकर पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की एक अप्रकाशित पुस्तक कोट करते हुए चीनी घुसपैठ का पुराना मुद्दा उछालने का प्रयास किया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा नियमों के अंतर्गत व्यवस्था दिए जाने के बाद भी राहुल गांधी अपनी बात पर अड़े रहे। यह एक आश्चर्यजनक व्यवहार है कि नेता प्रतिपक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने के स्थान पर पुराने मुद्दे उठाए और उनको भी आपत्तिजनक रूप से रखकर देश की सेना और सदन का अपमान करे। लोकसभा में कांग्रेस तथा इंडी गठबंधन की महिला सांसदों ने जिस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी का रास्ता

रोकने की योजना बनायी और लोकसभा अध्यक्ष को प्रधानमंत्री से सदन न आने का अनुरोध करना पड़ा वो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना ये है कि यही लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बाते करते हैं।

राज्यसभा में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में भाग न लेकर विपक्षी दलों ने न केवल राष्ट्रपति पद का अपमान किया है अपितु एक गरीब परिवार से निकलकर आई आदिवासी महिला का भी अपमान किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में राहुल गांधी व कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को ग़द्दार कहने पर भी राहुल गांधी घेरा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इनका अहंकार सातवें आसमान पर पहुंच गया है । कांग्रेस छोड़कर कितने ही लोग निकले हैं किसी और को तो ग़द्दार नहीं कहा, ये सिख हैं इसलिए कहा, ये सिखों का, गुरुओं का अपमान था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोकसभा में चेयर पर कागज फेकें गए जब असम के सदस्य चेयर की कुर्सी पर विराजमान थे क्या यह असम का अपमान नहीं? जब आंध्र प्रदेश के एक दलित सदस्य चेयर की कुर्सी पर बैठे थे तब उन पर भी कागज फेंके गए क्या यह एक दलित बेटे और संविधान का अपमान नहीं है ?

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आखिर कांग्रेस उनके लिए कब्र खुदेगी का नारा क्यों देती है ? हमने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 से हटाई इसलिए या हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से उबारा है इसलिए? प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ये कौन सी मोहब्बत की दुकान है जो देश के किसी नागरिक की कब्र खोदने के सपने देखती है? आजकल मोहब्बत की दुकान खोलने वाले 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' के नारे लगा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं देश के युवाओं के लिए मजबूत जमीन तैयार कर रहा हूं तो कांग्रेस मोदी की कब्र खोदने के कार्यक्रम करवा रही है। हमने नार्थ ईस्ट में बम बंदूक और आतंक का जो साया बना रहता था वहां शांति और विकास की राह अपनाई इसलिए वह मोदी की कब्र खोद रहे हैं। पाकिस्तानी आतंकवादियो को घर में घुसकर मारते हैं, ऑपरेशन सिंदूर करते हैं और इसलिए वे मोदी की कब्र खोदना चाहते हैं। मोदी तेरी कब्र खुदेगी ये जो उनके भीतर नफरत भरी हुई है मोहब्बत की दुकान में जो आग भरी पड़ी हुई है, उसका कारण है किकांग्रेस इस बात को पचा नहीं पा रही है कि कोई और क्यों प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा है, ये तो हमारा पैतृक अधिकार था इसलिए वे हताशा में मोदी की कब्र खोदने के नारे लगा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आगे जोड़ा कि कांग्रेस को ये सहन नही हो रहा हे कि जो समस्याएं उसने 60 सालो में पाल-पोस कर बड़ी की थीं मोदी उनका एक-एक करके समाधान क्यों कर रहा है? कांग्रेस को ये सब पसंद नहीं आ रहा है इसलिए अब कांग्रेस के नेता मोदी तेरी कब्र खुदेगी का नारा लगा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोपियन यूनियन और फिर अमेरिका के साथ जो व्यापार समझौते हुए उनके विषय में जानकारी देते हुए बताया कि अब पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है और समझौते कर रही है। कांग्रेस को भी यहअवसर मिला था, उन्होंने यह क्यों नही कर दिखाया?

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन के माध्यम से कांग्रेस, लेफ्ट व डीएमके सहित टीएमसी पर भी तीखा हमला बोला और उन्होंने बंगाल की टीएसमी सरकार को देश की सबसे निर्मम सरकार बताते हुए कहा कि यह लोग अपने अंदर नहीं झाकते अपितु हमको यहां बैठकर उपदेश देते हैं। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा सांसद सदानंद मास्टर के भाषण का संज्ञान लेते हुए वैचारिक सहिष्णुता की चर्चा की, ज्ञातव्य है कि सदानंद मास्टर के दोनों पैर वामपंथी विचारधारा के लोगों ने निर्ममता से केवल उनकी विचारधारा अलग होने के कारण काट दिए थे।

संसद के वर्तमान सत्र में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने जो रवैया अपनाया है उसने देश के वास्तविक मुद्दों को उठाने का एक सुनहरा अवसर खो दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा को घेरने के बजे उन्होंने भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी को ही अपने ऊपर आक्रमण करने का अवसर दे दिया है। भाजपा अब सिख व दलित सांसदों के अपमान का राजनैतिक लाभ उठाने का पूरा प्रयास करेगी। भाजपा चुनाव वाले राज्यों में विरोधी दलों के संसदीय आचरण को भी मुद्दा बनाएगी।

जब 'मैं' भारी पड़ता है 'हम' पर तब स्वार्थ कहां तक जायज है सफलता और प्रतिस्पर्धा, आधुनिक जीवन में रिश्तों की बदलती परिभाषा

निजी स्वार्थ मनुष्य के स्वभाव का एक ऐसा पक्ष है, जो जन्म से उसके साथ चलता है। स्वयं की सुरक्षा, प्रगति और पहचान की चाह स्वाभाविक है। यही स्वार्थ मनुष्य को परिश्रम करना, आगे बढ़ना और अपने लिए बेहतर जीवन गढ़ना सिखाता है। मगर जब यही भावना सीमाएं लांघने लगे, तब यह समाज के लिए चिंता का विषय बन जाती है। आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है। शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय- हर क्षेत्र मंर आगे निकलने की होड़ है। इस होड़ में कई बार व्यक्ति अपने लाभ को ही सर्वोच्च मान लेता है और दूसरों के हिस्से की जमीन भी अपने पांव तले दबाने लगता है। यही वह बिंदु है जहां स्वस्थ स्वार्थ अस्वस्थ बन जाता है। ऐसा स्वार्थ सफलता का भ्रम तो रचता है, पर भीतर से मनुष्य को खोखला कर देता है।

स्वार्थ का प्रभाव केवल व्यक्तिगत आचरण तक सीमित नहीं रहता। यह धीरे-धीरे रिश्तों में प्रवेश करता है। आज अनेक संबंध सुविधा और उपयोगिता पर टिके दिखाई देते हैं। जब तक व्यक्ति काम का है, तब तक वह अपना है; और काम निकलते ही दूरी बन जाती है। यह सोच परिवारों में दरार, मित्रता में अविश्वास और समाज में असंवेदनशीलता को जन्म देती है। छात्र जीवन में जैसे ही किसी एक को बेहतर अंक या अवसर मिल जाता है, दूरी अपने आप बन जाती है। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा प्रेरणा देती है, लेकिन जब स्वार्थ हावी हो जाएं, तब मित्रता बोझ बन जाती है, जो समय की कसौटी पर टिक नहीं पाती।

कार्यस्थलों पर 'टीमवर्क' यानी 'सामूहिक भावना के साथ काम' की बातें होती हैं, लेकिन श्रेय लेने की होड़ बनी रहती है। किसी सहकर्मी के विचार को अपना बताकर प्रस्तुत करना, किसी के अच्छे काम को खराब बताना, सही को गलत कहना और सफलता मिलते ही आगे बढ़ जाना- ये व्यवहार संस्थानों को भीतर से कमजोर कर देते हैं। जहां भरोसा नहीं होता, ईर्ष्या हावी होती है, वहां कार्यक्षमता भी धीरे-धीरे गिरने लगती है। स्वार्थ भले ही व्यक्ति को अस्थायी लाभ दिला दे, पर कार्य-संस्कृति को स्थायी नुकसान पहुंचाता है।

स्वार्थ का सबसे संवेदनशील और पीड़ादायक रूप परिवार में देखने को मिलता है। संपत्ति के बंटवारे में भाई-भाई का दुश्मन बन जाना, बुजुर्गों को बोझ समझना या रिश्तों को सुविधा के तराजू पर तौलना- ये दृश्य आज आम होते जा रहे हैं। परिवार वह स्थान होना चाहिए, जहां निस्वार्थ होना सबसे अधिक हो, लेकिन जब वही स्थान स्वार्थ का शिकार बन जाए, तो समाज की नींव हिलने लगती है।

माता-पिता का प्रेम इस संसार का सबसे निस्वार्थ भाव है। वे अपनी इच्छाएं, सुख-सुविधाएं और कई बार अपने सपने तक बच्चों के भविष्य के लिए त्याग देते हैं। जीवनभर देते रहते हैं, बिना किसी अपेक्षा के। विडंबना यह है कि ऐसे निस्वार्थ प्रेम के बावजूद कुछ बच्चे स्वार्थी हो जाते हैं। पढ़ाई पूरी होते ही माता-पिता से दूरी बना लेना, उनकी जरूरतों को बोझ समझना या उन्हें अकेला छोड़ देना- ये दृश्य आज चुभते हुए सच बन चुके हैं। यह स्वार्थ केवल माता-पिता को नहीं, मानवीय संवेदना को भी चोट पहुंचाता है।

इन उदाहरणों के बीच हमारे सैनिक निस्वार्थ भावना का जीवंत प्रतीक हैं। वे अपने परिवार, आराम और कभी-कभी अपने प्राण तक देश के लिए समर्पित कर देते हैं। सीमा पर खड़ा सैनिक यह नहीं सोचता कि उसे क्या मिलेगा, वह केवल यह सोचता है कि देश सुरक्षित रहे। जब हम अपने छोटे-छोटे लाभ के लिए रिश्तों और जिम्मेदारियों से समझौता कर लेते हैं, तब सैनिकों का त्याग हमें आईना दिखाता है। उनका बलिदान याद दिलाता है कि सच्चा कर्तव्य वही है, जो स्वार्थ से ऊपर उठकर निभाया जाए।

एकलव्य और द्रोणाचार्य की कहानी में एकलव्य ने बिना किसी स्वार्थ के पूरी निष्ठा और लगन से धनुर्विद्या सीखी, लेकिन द्रोणाचार्य ने अपने प्रिय शिष्य अर्जुन के लिए स्वार्थवश एकलव्य से उसका अंगूठा मांग लिया, जिससे स्वार्थ की सीमाओं और पक्षपात की तस्वीर उजागर हुई। ऐसे प्रसंगों से हमें स्पष्ट संदेश मिलता है कि स्वार्थ न केवल दूसरों का नुकसान करता है, बल्कि नैतिकता, न्याय और रिश्तों की नींव को भी कमजोर कर देता है।

प्रश्न यह नहीं कि हम स्वार्थी हैं या नहीं। प्रश्न यह है कि हमारा स्वार्थ रिश्तों को जोड़ रहा है या तोड़ रहा है। जिस दिन हम अपने लाभ की सीमा वहां रोक देंगे, जहां से दूसरों की पीड़ा शुरू होती है, उसी दिन स्वार्थ मानवता में बदल जाएगा। हालांकि कहना मुश्किल है कि स्वार्थ पूरी तरह त्याज्य है। आत्मसम्मान की रक्षा करना, अपने अधिकारों के लिए खड़े होना और अपने भविष्य के लिए निर्णय लेना- ये सब स्वार्थ नहीं, बल्कि विवेक हैं। समस्या तब उत्पन्न होती है जब विवेक का स्थान केवल लाभ-लालसा ले लेती है।

संतुलन ही समाधान है- ऐसा संतुलन जिसमें 'मैं' सुरक्षित रहे और 'हम' भी जीवित रहें। इतिहास और वर्तमान- दोनों इस सत्य के साक्षी हैं कि केवल अपने लिए जीने वाले लोग क्षणिक रूप से सफल हो सकते हैं, पर समाज उन्हें याद नहीं रखता। समाज उन्हें स्मरण करता है, जिन्होंने अपने स्वार्थ की सीमा वहीं रोक दी, जहां दूसरों की पीड़ा शुरू होती है। ऐसे लोग पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनते हैं।

आज आवश्यकता है स्वार्थ की ऐसी नई परिभाषा गढ़ने की, जो आत्मविकास और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच सेतु बने। अगर व्यक्ति यह समझ ले कि समाज के बिना उसका अस्तित्व अधूरा है, तो स्वार्थ स्वतः ही मानवीय हो जाएगा। आखिरकार स्वार्थ समस्या नहीं है, समस्या है उसकी दिशा। सही दिशा में प्रवाहित स्वार्थ समाज को आगे बढ़ाता है और गलत दिशा में बहता स्वार्थ उसे भीतर से तोड़ देता है। चुनाव हमारे हाथ में है- हम अपने स्वार्थ से केवल ऊंचे बनना चाहते हैं या व्यापक भी!

जेन-जेड की डिजिटल दुनिया, ताकत या कमजोरी नई पीढ़ी को हकीकत से दूर ले जा रही तकनीक

दुनियाभर में युवाओं की नई पौध कहीं अधिक प्रखर और त्वरित कदमों से आगे बढ़ने वाली पीढ़ी है। सोशल मीडिया और स्मार्टफोन के दौर की इस पीढ़ी को आजकल 'जेन-जेड' कहा जा रहा है। यही वह नई युवा शक्ति है, जो अपने-अपने देशों में अन्याय और विसंगतियों के विरुद्ध खड़ी हो रही है। कुछ समय पहले पूरी दुनिया ने नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में उन प्रदर्शनों को देखा, जिनमें हजारों युवा सड़कों पर उतर आए थे। उस समय ऐसा लगा कि बहुत कुछ बदल जाएगा। जो विसंगतियां हैं, अब वे खत्म होंगी। चाहे वह भ्रष्टाचार हो या नेताओं का परिवारवाद या फिर महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्या। मगर ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला और इन देशों में ढर्रा वही रहा, जो पहले था। सत्ता परिवर्तनों के बावजूद कोई खास बदलाव सामने नहीं आया।

नई युवा शक्ति का असमानता और अन्याय के खिलाफ उठ खड़ा होना उन देशों के लिए असरदार हो सकता है, जहां स्थिति सचमुच बेहद खराब है और जहां अर्थव्यवस्था जर्जर हो रही है। मगर दिक्कत यह है कि कृत्रिम मेधा और सोशल मीडिया से प्रभावित यह पीढ़ी तत्काल सब कुछ दुरुस्त कर लेना चाहती है। मगर सच तो यह है कि अचानक सड़कों पर उतर जाने से रातों-रात व्यवस्था नहीं बदल जाती। यह पीढ़ी अपनी ताकत का धैर्य और सकारात्मक तरीके से इस्तेमाल करे, तो दुनिया में जो बदलाव वे चाहते हैं, वह संभव हो सकता है। ऐसी स्थिति में इस पीढ़ी की सार्थकता और उसकी ताकत पर दुनिया का भरोसा कायम हो सकता है। मगर अभी ऐसा हुआ नहीं है। इस समय बड़ी चुनौती यह है कि डिजिटल दुनिया से प्रभावित इस शक्ति को अगर सही दिशा नहीं मिली, तो इससे उनका ही नुकसान हो सकता है।

भारत में इस युवा पीढ़ी को सार्थक निवेश के जरिए आगे बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। देश इनका साथ लेकर प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर होना चाहता है। मगर, ये उम्मीदें आगे कितनी सच होंगी, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। फिलहाल तो करोड़ों युवा बेरोजगार हैं। देश की युवा आबादी कार्ययोग्य है, लेकिन उन्हें काम देने की बजाय अनुकंपा पर जीने की राह दिखाई जा रही है। अगर वे जल्द से जल्द अमीर बनने के लिए दूसरे देशों की ओर पलायन करते हैं, तो वहां से उन्हें किस तरह से स्वदेश वापस भेजा गया है, इसे सभी ने देखा है। अपने देश में तो रोजगार की गुंजाइश बढ़ नहीं रही, ऐसे में युवा करे, तो क्या करें। वहीं इनके सही राह से भटक जाने का जो जोखिम है, इसे कौन समझेगा।

युवा देश की अमूल्य निधि होते हैं। उनके प्रखर और विकासोन्मुख होने की बात कही जाती है। मगर अभी दुनिया के कई देशों में अनुसंधान का निष्कर्ष यह बताता है कि आधुनिक तकनीक अपनाने वाली इस पीढ़ी की मेधा शक्ति पिछली पीढ़ी से कम है। इसकी क्या वजह हो सकती है? इसका कारण यह बताया जाता है कि 'जेन-जेड' कहलाने वाली यह पीढ़ी डिजिटल तकनीक पर बहुत अधिक निर्भर है। स्वयं खोज करने या अनुसंधान करने की बजाय उन्हें पहले से तैयार सब चीजें चाहिए। कई बार उनमें मौलिकता नहीं दिखाई पड़ती। उनमें कितनी संभावनाएं हैं, यह सामने आना अभी बाकी है। कहा जा रहा है कि भारत कृत्रिम मेधा और डिजिटल दुनिया में तेज गति से आगे बढ़ रहा है, लेकिन यह साफ है कि नई पीढ़ी मेधा और स्मृति के मामले में पिछली पीढ़ी जितनी भी नहीं दिखाई देती है।

समस्या सुलझाने का उनका तरीका त्वरित बेशक हो, लेकिन वह ठोस और व्यावहारिक नहीं होता। बड़े-बुजुर्ग जटिल से जटिल समस्याओं का धीरज से सामना करते हुए न केवल उन्हें सुलझाने में कामयाब हो जाते थे, बल्कि एक नया पैमाना भी बना देते थे। वहीं आज की युवा पीढ़ी संक्षिप्त वीडियो से स्वयं को प्रशिक्षित करने और इसी से रास्ता तलाशने में लगी रहती है। अध्यापकों के साथ आमने-सामने बातचीत अब होती नहीं। नतीजा बच्चों की बौद्धिक क्षमता घटने लगी है।

देश में तकनीक के अधिक इस्तेमाल के कारण किसी में स्वयं खोज करने की पहल नहीं दिखाई देती। शोध विशेषज्ञों के मुताबिक, पिछले पचास- साठ साल में जैसे-जैसे भारत सहित पूरी दुनिया में तकनीक का उपयोग शिक्षा क्षेत्र में बढ़ा है, बच्चों में सीखने की क्षमता घट गई है। मगर जो बच्चे प्रौद्योगिकी का कम या बिल्कुल इस्तेमाल नहीं करते, उनके परिणाम उन बच्चों से बेहतर हैं, जो डिजिटल सुविधा पर निर्भर हैं।

भारत समेत पूरी दुनिया में कृत्रिम मेधा का बोलबाला हो गया है। सब जगह कागज रहित कार्य संस्कृति विकसित होने लगी है। दूसरी ओर इसी नई तकनीक का नतीजा है कि अब पुस्तकों के जरिए कम और स्मार्ट फोन, लैपटाप एवं कंप्यूटर पर शिक्षा देने का चलन बढ़ रहा है। कारण यह है कि युवा पीढ़ी यानी जेन-जी डिजिटल ताकत का इस्तेमाल करती है। वे कहीं अधिक आत्मविश्वासी हैं। उनको लगता है कि वे हर चीज जानते हैं। उनके पास सभी सूचनाएं उपलब्ध हैं। बच्चों को हम स्मार्टफोन तो दे रहे हैं, लेकिन उनकी मौलिकता कम होती जा रही है। डिजिटल दुनिया की इस अपार ताकत ने एक नए खतरे को जन्म दिया है। अब कहा जा रहा है कि तकनीक में तरक्की तो कीजिए, लेकिन इस पर नियंत्रण भी रखिए। विशेषज्ञों ने इस पूरे परिदृश्य पर चिंता जताई है। गौरतलब है कि एक समय में पूरी दुनिया इस डिजिटल ताकत से बेहद प्रभवित थी। अब उसका असर घटने लगा है। कुछ देश तो तकनीक के बेतहाशा उपयोग से अब पीछे हटने लगे हैं। स्वीडन ने हाल ही में विद्यालयों में डिजिटल उपकरणों को हटा कर फिर से कागज-कलम और किताबों की ओर लौटने का फैसला किया है। फ्रांस, नीदरलैंड, ब्रिटेन और फिनलैंड जैसे देशों में स्कूलों में लैपटाप और टैबलेट के इस्तेमाल को अब सीमित किया जा रहा है।

यूनेस्को की एक रपट के मुताबिक, शिक्षा में तकनीक का अधिक इस्तेमाल ठीक नहीं है। इसे सीखने में मदद करने तक ही सीमित रखना चाहिए, न कि पथ निर्देशक बनने देना चाहिए। इसके नकारात्मक प्रभाव अब सामने आ रहे हैं। हाल में गाजियाबाद में जो घटना हुई है, उससे भी सबक लिया जा सकता है, जहां तीन नाबालिग बहनों ने आभासी दुनिया में गुम होकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। यह घटना एक उदाहरण भर है। पहले भी डिजिटल लत के कारण ऐसी घटनाएं होती रही हैं।

दरअसल, हमारी नई पीढ़ी सपने में जीने लगी है। उनकी ताकत डिजिटल की बैसाखियों पर निर्भर है। जो ताकत दुनिया को सशक्त करने के लिए बनाई गई थी, वह नौजवानों को एक काल्पनिक जगत में कैद कर रही है। अब वे घंटों कंप्यूटर के सामने या स्मार्टफोन लेकर बैठे रहते हैं। युवा आभासी दुनिया को सच मान कर जीवन की वास्तविकताओं से दूर जाकर एक ऐसी जिंदगी जीने लगते हैं, जिसका वजूद उनकी कल्पना में तो है, लेकिन असल जिंदगी में कहीं नहीं। नई पीढ़ी यानी 'जेन-जेड' के उभरने और संवरने से पहले ही डिजिटल की ताकत उसे यथार्थ से दूर ले जा रही है। इस पर नियंत्रण तो किसी सीमा तक करना ही होगा, ताकि वह नई पीढ़ी के लिए चुनौती न बन जाए।

आगामी त्यौहारों को लेकर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने शांति एवं कानून व्यवस्था सम्बन्धी तैयारियों की समीक्षा, दिये दिशा निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। आगामी दिनों में महाशिवरात्रि, बोर्ड परीक्षाएं, रमजान माह का आरम्भ, होलिका दहन, होलिकोत्सव, ईद-उल-फितर, चैत्र नवरात्रि, श्रीराम नवमी आदि विशेष पर्व त्यौहारों को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजकों, विभिन्न धर्मगुरूओं, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों के साथ कलेक्टेट्ट सभागार में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत जनपद के विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक व निकलने वाले शिव बारात, शोभा यात्रा के सन्दर्भ में जिलाधिकारी ने आयोजकों से विगत वर्षो में आई समस्या व आपेक्षित प्रशासनिक सहयोग जानते हुए उनकी सभी समस्याओं को सम्बन्धित अधिकारी को अगवत कराते हुए निर्देशित किया कि आपेक्षित कार्य समय सीमा में पूर्ण हो जाये। इसी क्रम में बाबा हरिहर नाथ मन्दिर, चकवा महावीर मन्दिर, बड़े शिवधाम गोपीगंज, बाबा सेमराध नाथ मन्दिर, सीता समाहित मन्दिर, तिलेश्वरनाथ, कबुतर नाथ, रामपुर घाट आदि स्थलों पर होने वाले कार्यक्रम आयोजकों से जिलाधिकारी ने संवाद करते हुए नियमानुसार कार्यक्रम सम्पन्न करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत जनपद के सभी आयोजको को निर्देशित किया कि कोई भी जुलूस बिना अनुमति के न निकाले। सभी शिवबारात शोभा यात्रा, पताका, झॉकी की ऊचाई एवं लम्बाई चौड़ाई मानक अनुसार हो। संचालित हो रहे बोर्ड परीक्षाओं के दृष्टिगत डीजे के ध्वनि निर्धारित डेसीमल में ही रहे। डीजे अधिक ऊॅची न हो जिससे की तारो में फस जाये। जुलूस निकलने वाले मार्गो पर विद्युत विभाग सुनिश्चित करे कि तार जर्जर व लटके न हो। जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके क्षेत्र में पड़ने वाले सभी शिवालयों में साफ-सफाई, जल, प्रकाश आदि की आपेक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने होली, महाशिवरात्रि और रमजान सहित विभिन्न पर्व-त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध सख्ती से निपटने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि 14 एवं 15 फरवरी को प्रमुख शिवधामों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे, अतः सुगम दर्शन, यातायात, पार्किंग, महिला सुरक्षा तथा आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए टीमें 24□7 सक्रिय रहें। इसके लिए अधिकारियों की मजिस्ट्रेट ड्यूटी लगाई गयी है। मंदिर परिसरों में तैनात पुलिस कार्मिक श्रद्धालुओं से मर्यादित व्यवहार करें तथा पर्याप्त संख्या में महिला कार्मिकों की तैनाती सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने कहा है कि 18 फरवरी से प्रारंभ हो रही माध्यमिक शिक्षा परिषद की कक्षा 10 एवं 12 की परीक्षाएं नकलविहीन

कराई जाएं और परीक्षा की शुचिता से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। परीक्षार्थियों के दृष्टिगत डीजे व साउण्ड निर्धारित डेसीमल में ही बजाए। जिलाधिकारी ने जनपद की शांतिप्रिय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण की परम्परा को बनाये रखते हुए होली त्यौहार को मनाये जाने के सम्बन्ध में पुलिस विभाग सहित अन्य सम्बन्धित विभागों को उनके कार्यों एवं उत्तरदायित्वों के सापेक्ष अब तक की होली त्यौहार के बारे में सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों से बिन्दुवार विस्तृत पूंछतांछ करते हुये आवश्कतानुसार दिशा निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने कहा कि विगत वर्षों में जनपद में त्योहारों के दौरान घटनाओं इत्यादि के संवेदनशीलता को देखते हुये उसका स्थानीय स्तर पर सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी मौके पर जाकर सूक्ष्म निरीक्षण एवं भ्रमण अवश्य कर लें तथा स्थानीय स्तर के सम्भ्रांन्त व्यक्तियों के साथ भी स्थिति की समीक्षा कर लें, तांकि किसी भी दशा में असहज स्थिति न उत्पन्न हो। जिलाधिकारी ने होली त्यौहार के दौरान मदिरा की दुकानों की जांच एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों के बिक्री को रोकने के दृष्टिगत जांच करने एवं सक्रिय रहने के निर्देश सम्बन्धित विभागीय अधिकारियो को दिये।

जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए आगामी होली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए होलिका दहन स्थल का निरीक्षण कर लिया जाए, परम्परागत ढंग से होलिका दहन/होली त्यौहार मनाया जाए। जिलाधिकारी ने सभी जनपदवासियों से अपील किया है कि होली त्यौहार में होलिका दहन बिजली के तारों के नीचे व प्रमुख सड़कों के बीच पर न किया जाए इसका विशेष ध्यान रखा जाए। जिलाधिकारी ने यह भी अपील किया है कि सभी त्यौहार धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए त्यौहार आपसी भाई चारे के साथ मनाया जाए। जिलाधिकारी ने हर्बल रंगों को प्रयोग करने का अपील किया। सिन्थेटिक रंग, प्लास्टिग रंग, पेंट, केमिकल, कीचड़ का प्रयोग होली खेलने में कदापि न करें। इससे एलर्जी व शरीर को नुकसान होता है। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभाग को निर्देशित करते हुए कहा है कि अपनी-अपनी जिम्मेदारी के साथ त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को त्योहारों के दौरान जनपद में कानून व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा करते हुये आवश्यकतानुसार निर्देशित किया। उन्होंने होली पर पुलिस एवं सामान्य प्रशासन के अधिकारीगण मौके पर त्योहारों से पहले स्थली भ्रमण कर स्थितियों का जायजा ले लें तथा स्वयं के स्तर पर समीक्षा कर लें। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण जागरूक स्थानीय लोगों से व्यक्तिगत रूप में भी सम्पर्क में रहें, संवेदनशील जगहों पर विशेष निगरानी रखी जाये। यह सुनिश्चित किया जाए कि शोभायात्राओं में उपद्रवी तत्वों की घुसपैठ किसी भी स्थिति में न होने पाए। रंग में भंग डालने, उन्माद फैलाने अथवा अराजकता उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 कुँवर वीरेंद्र मौर्य, उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर भानसिंह, उप जिलाधिकारी औराई श्याममणि त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी भदोही अरून गिरि, ज्ञानपुर चेयरमैन घनश्यामदास गुप्ता, समस्त सीओ, समस्त विभागों के अधिशासी अभियंता, समस्त अधिशासी अधिकारी, विभिन्न धर्मगुरू, आयोजक, जनप्रतिनिधि और संभ्रांत लोग आदि उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री के प्रस्तावित जनपद आगमन व भ्रमण के तैयारियों के दृष्टिगत डीएम, एसपी ने कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर दिये आवश्यक दिशा निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। 13 फरवरी को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का जनपद भ्रमण कार्यक्रम के तैयारियों के दृष्टिगत जिलाधिकारी शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने स्थलीय निरीक्षण कर सम्बन्धित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये। प्राप्त प्रोटोकॉल के अनुसार उप मुख्यमंत्री का सर्वशक्तिधाम मन्दिर प्रांगण, ग्राम चौगुना, सुरियाँवा (कडोर) के निकट तैयार किये जा रहे हेलीपैड पर सुगम लैंडिंग व सुरक्षा सहित सभी बिन्दुओं पर गहनता से अवलोकन किया गया। डीएम ने अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया कि निर्धारित मानक अनुसार हेलीपैड तैयार करें। धूल न उड़ने पाएं, इसके लिए पर्याप्त पानी का छिड़काव सुनिश्चित करें। बैरिकेटिंग बनाते हुए अन्य गाड़ियों के पार्किग व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाये।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा उप मुख्यमंत्री के प्रोटोकॉल के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गये है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को उप मुख्यमंत्री के समस्त कार्यक्रम स्थलों के आगमन व प्रस्थान रूट का सुरक्षा के सभी बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए चेक कर व्यवस्थाएं पूर्ण करने का निर्देश दिया। आगमन व प्रस्थान के निर्धारित समय पर निर्धारित रूट पर बैरिकेटिंग की जायेगी।

जनप्रतिनिधियों व अन्य लोगों के लिए निर्धारित स्थल पर वाहन पार्किग की व्यवस्था की गई है।

प्राप्त प्रोटोकॉल के अनुसार उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का पूर्वाह्न 11:45 बजे आगमन व उपर्युक्त मंदिर में भारत माता मूर्ति का अनावरण करेंगे। तत्पश्चात अपराह्न 12:05 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुरियाँवा का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। 12:30 बजे निकार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। 12:55 बजे उपर्युक्त हेलीपैड स्थल से जनपद प्रयागराज हेतु प्रस्थान करेंगे। स्थलीय निरीक्षण अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरूद्ध त्रिपाठी, पूर्व विधायक रवीन्द्र नाथ त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी अरूण गिरि, सहित प्रशासन व पुलिस की टीम उपस्थित रही।

टीबी मुक्त भदोही की दिशा में कदम 50 मरीजों को मिला पोषण पोटली

भदोही। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी भदोही द्वारा गुरुवार को 50 टीबी मरीजों को पोषण आहार पोटली का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी भदोही ने मरीजों को पोषण आहार वितरित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जनपद को टीबी मुक्त बनाने के लिए प्रशासन संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रहा है। विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से टीबी मरीजों को पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने मरीजों से नियमित दवा सेवन, संतुलित आहार लेने तथा सकारात्मक सोच के साथ स्वास्थ्य पर ध्यान देने की अपील की। एडिशनल सीएमओ डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने मरीजों को नियमित दवा एवं पोषण आहार लेने तथा आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी और टीबी मुक्त भदोही में सहयोग का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में रेडक्रॉस के कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज सेवा का सशक्त उदाहरण बताया गया। इस दौरान कोषाध्यक्ष हरेंद्र प्रताप सिंह, नोडल रेडक्रॉस डॉ. ओ.पी. शुक्ला सहित रेडक्रॉस के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

एक दूजे के हुए एक सौ तीन जोड़ें

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शासन की अति महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत भदोही जनपद के सभी विकासखंडों में कुल 103 नवदम्पति जोड़ो का विवाह संपन्न हुआ। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में नव निर्मित कल्याण मण्डपम, फत्तुपुर में गूंशहनाई और भदोहीवासियों को भव्य मण्डप की नई सौगात मिली।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत शादी पर होने वाले अपव्यय पर रोक लगाई जाती है, जिससे गरीब परिवार भी अपनी बहनों, बेटियों और बेटों की शादी खुशी और गरिमा के साथ कर सकते हैं। इस वर्ष विकासखंड ज्ञानपुर में 20, भदोही में 20, डीघ में 20, अभोली में 15, सुरियावां में 13, नगर पालिका परिषद भदोही में 5, गोपीगंज में 2, नगर पंचायत ज्ञानपुर में 3 और सुरियावां में 5 जोड़ो का विवाह सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, ब्लॉक प्रमुखगण, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, खण्ड विकास अधिकारी और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने नवदम्पतियों को पवित्र दाम्पत्य सूत्र में बंधने पर आशीर्वाद और शुभकामनाएँ दीं।

मुख्य विकास अधिकारी ने सामूहिक विवाह योजना द्वारा सामाजिक एकता और अखंडता को मजबूत किए जाने पर बल दिया। सभी जातियों के लोग एक मंडप में सामंजस्यपूर्ण विवाह समारोह में शामिल हुए, जिससे समाज में समानता, समरसता और संस्कृति की मिसाल स्थापित हुई।

इस योजना के तहत प्रत्येक जोड़ो को कन्या हेतु 60, 000 रुपये की सहायता राशि, विवाह उपहार सामग्री 25, 000 रुपये तथा समारोह की व्यवस्थाओं के लिए 15, 000 रुपये प्रदान किए गए। इस तरह कुल खर्च का लक्ष्य रू0 एक लाख प्रति जोड़ा निर्धारित किया गया है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक आज भदोही में करेंगे जनपद भ्रमण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का आज 13 फरवरी को विशेष भ्रमण कार्यक्रम आयोजित होगा। उप मुख्यमंत्री का आगमन सर्वशक्तिधाम मंदिर प्रांगण, ग्राम चौगुना, सुरियाँवा हेलीपैड पर पूर्वाह्न 11:45 बजे निर्धारित है। इस अवसर पर वे भारत माता की मूर्ति का अनावरण करेंगे।

आगमन के पश्चात उप मुख्यमंत्री अपराह्न 12:05 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुरियाँवा का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वे 12:30 बजे निकार्यक्रम में सम्मिलित होंगे और 12:55 बजे हेलीपैड से जनपद प्रयागराज के लिए प्रस्थान करेंगे। इस कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक ने स्थलीय निरीक्षण कर सभी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने हेलीपैड, मंदिर परिसर और अन्य स्थलों पर सुरक्षा व व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए टीम तैयार कर रखी है।

भदोही के युवा ने जूनियर बॉडीबिल्डिंग में जीता स्वर्ण पदक, भदोही साइकिलिंग क्लब ने किया जोरदार स्वागत

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज भदोही जिले के गोपीगंज सराय मोहाल से निकले युवा एथलीट मिस्टर सादान अहमद पुत्र सरताज अली ने राष्ट्रीय बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश और जिले का नाम रोशन कर दिया है। भारतीय बॉडी बिल्डर्स फेडरेशन (छ्ह) द्वारा आयोजित 16वीं जूनियर, मास्टर्स, दिव्यांग, मेंस एंड लेडीज बॉडी बिल्डिंग एंड फिजिक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026 में सादान अहमद ने 55 किलोग्राम भार वर्ग (जूनियर बॉडीबिल्डिंग) में स्वर्ण पदक अपने नाम किया । यह प्रतियोगिता 7 और 8 फरवरी 2026 को तेलंगाना के करीमनगर स्थित वी कन्वेंशन सेंटर में संपन्न हुई। सादान अहमद ने इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और फिटनेस के दम पर सभी प्रतिद्वंद्वियों को मात देते हुए गोल्ड मेडल जीता। यह उपलब्धि न केवल भदोही जिले के लिए बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

भदोही साइकिलिंग क्लब के अध्यक्ष अताउल मुस्तफा अंसारी ने सादान अहमद का जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'सादान ने एक छोटे से कस्बे गोपीगंज से निकलकर राष्ट्रीय पटल पर अपनी अलग पहचान बनाई है। यह जीत युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। भदोही साइकिलिंग क्लब की ओर से हम उनका सम्मान करते हैं और भविष्य में ऐसे प्रयासों में पूरा सहयोग देने का वादा करते हैं। आशा है कि ऐसे युवा जिले और प्रदेश का

नाम और ऊंचा उठाएंगे।' क्लब के पदाधिकारियों ने भी सदन को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

क्लब के सचिव प्रवीण श्रीवास्तव ने कहा कि सादान अहमद की यह सफलता बताती है कि छोटे शहरों और कस्बों से भी बड़े सपने पूरे किए जा सकते हैं, बशर्ते मेहनत और लगन हो। यह उपलब्धि भदोही जिले के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह बढ़ाने वाली साबित होगी।

सादान अहमद को उनकी इस शानदार जीत पर बधाई देंने वालों में पंकज सिंह, श्याम यादव, राजीव जायसवाल, अतुल शुक्ला, अनवार अहमद, महमूद आलम, गुलाम रिजवी, अंसार अली, नूर आलम, शोएब अंसारी, फैज आलम समेत आदि रहें।

सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों के हक़ में उठी बुलंद आवाज़

भदोही।सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों के अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल पर सम्मान को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। उत्तर प्रदेश मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भदोही यूनिट के अध्यक्ष ब्रजेंद्र शुक्ला के नेतृत्व में गुरुवार को तहसील भदोही परिसर जमकर विरोध प्रदर्शन व नारेबाकी ।प्रदर्शन के बाद उपजिलाधिकारी भदोही अरुण गिरी के माध्यम से सरकार को 20 सूत्रीय मांग पत्र सौंपते हुए कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं से अवगत कराया।ज्ञापन में बताया गया कि सरकारी निगरानी के अभाव में सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों को निकंपनियों द्वारा शोषण का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों से निर्धारित समय से अधिक कार्य कराया जा रहा है, समय पर वेतन व यात्रा भत्ते का भुगतान नहीं किया जा रहा है तथा फर्जी मुद्दे बनाकर नौकरी से निकाले जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं।एसोसिएशन ने मांग की है कि सेल्स प्रमोशन कर्मचारी अधिनियम 1976 को सख्ती से लागू किया जाए और कर्मचारियों को निश्चित अवधि रोजगार फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट की अनुमति न दी जाए। इसके साथ ही सभी सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों को न्यूनतम मासिक वेतन 26910 रुपये व ईपीएफ पेंशनधारकों को न्यूनतम पेंशन 9000 रुपये प्रतिमाह सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई।

मांग पत्र में कर्मचारियों पर इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, ट्रैकिंग और गोपनीयता में हस्तक्षेप पर रोक लगाने, दवा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने तथा दवाओं की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी नीति बनाने की आवश्यकता जताई गई है।

पदाधिकारियों ने कहा कि यदि इन मांगों पर सरकार सकारात्मक निर्णय लेती है तो इससे लाखों सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों को राहत मिलेगी और स्वास्थ्य क्षेत्र में पारदर्शिता व जवाबदेही बढ़ेगी।

टेट अनिवार्यता बयान के विरोध में शिक्षकों ने किया प्रतीकात्मक दहन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर जनपद भदोही के बीआरसी ज्ञानपुर परिसर में सैकड़ों शिक्षकों ने एकत्र होकर शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी द्वारा भारतीय संसद में टेट अनिवार्यता के संदर्भ में दिए गए बयान का विरोध किया। इस दौरान शिक्षकों ने मंत्री के बयान की प्रति का प्रतीकात्मक दहन कर आक्रोश व्यक्त किया।

ज्ञातव्य है कि शिक्षा राज्य मंत्री द्वारा सेवारत शिक्षकों को भी अध्यापक पात्रता परीक्षा (ऊऍं) उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता संबंधी बयान दिया गया था। शिक्षकों का कहना है कि इस निर्णय से प्रदेश सहित पूरे देश के लगभग 20 लाख शिक्षक प्रभावित होंगे। शिक्षकों ने इसे उनके सम्मान के साथ प्रत्यक्ष अन्याय बताया।

प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व जिला संयोजक धीरेंद्र यादव एवं सहसंयोजक अरुण पांडे द्वारा किया गया। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने सरकार से बयान वापस लेने एवं शिक्षकों के हितों की रक्षा करने की मांग की।

इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष ज्ञानपुर रविंद्र कुमार पांडे, मोनू सरोज, अनुराग कुमार, ओमप्रकाश मिश्रा, जितेंद्र कुमार, भूपेंद्र यादव, राजेश नवनीत, जिला कोषाध्यक्ष डॉ. प्रमोद मिश्रा, अरविंद उपाध्याय, सूबेदार यादव, वीरेंद्र सिंह, ओम प्रकाश, अखिलेश यादव, जितेंद्र कुमार पटेल, मंगलेश यादव, मोहम्मद रिजवान अंसारी, धीरेंद्र मिश्रा, जिला संरक्षक विनोद कुमार शुक्ला सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र ही सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवदंपति को दिया आशीर्वाद, ओडीओपी उत्पाद भेंट कर दी शुभकामनाएं

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो0 सुरेंद्र सिंह की पुत्री के विवाह के शुभ अवसर पर नवदंपति को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखमय, समृद्ध एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नवदंपति को उपहार स्वरूप प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'एक जनपद, एक उत्पाद (ओडीओपी)' के अंतर्गत निर्मित उत्कृष्ट उत्पाद भेंट किए। उन्होंने कहा कि ओडीओपी योजना प्रदेश के पारंपरिक एवं स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का माध्यम बनी है। यह योजना न केवल कारीगरों और शिल्पकारों को आर्थिक सशक्तिकरण प्रदान कर रही है, बल्कि प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी नई पहचान दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विवाह जैसे पावन अवसरों पर स्थानीय उत्पादों को उपहार स्वरूप प्रदान करना 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को सुदृढ़ करता है तथा प्रदेश के हस्तशिल्प एवं पारंपरिक उद्योगों को प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने नवदंपति के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनका वैवाहिक जीवन प्रेम, सौहार्द, आपसी विश्वास एवं खुशहाली से परिपूर्ण हो।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर डी श्रेणी मामलों की डीएम ने की सख्त समीक्षा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर डी श्रेणी में दर्ज कर-करेत्तर, लंबित रिट याचिकाओं, राजस्व कार्यों एवं राजस्व न्यायालयों से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि 5 वर्ष से अधिक पुराने लंबित वादों का 'न्यायालय आपके द्वार' के माध्यम से स्थलीय निरीक्षण कर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदारों को पुराने मामलों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष ध्यान देने को कहा।

राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अमीनवार वसूली की गहन समीक्षा करने तथा सभी निकायों को पीएम स्वनिधि सहित अन्य मदों में वसूली बढ़ाकर जनपद की राजस्व रैंकिंग सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने आरसी वसूली को शत-प्रतिशत पूर्ण कराने पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आईजीआरएस की समीक्षा के दौरान असंतोषजनक फीडबैक पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतें डिफॉल्टर श्रेणी में जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इसके साथ ही खतौनी अंश निर्धारण, स्वामित्व योजना, एंटी भू-माफिया अभियान, रिट याचिकाओं एवं लंबित राजस्व वादों की प्रगति तेज करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने परिवहन, आबकारी, खनन एवं राजस्व विभाग को अभियान चलाकर लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित करने पर बल दिया।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

काशीराम कालोनी में जल निकासी व्यवस्था का डीएम ने किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा अध्यक्ष नगर पालिका सिद्धार्थनगर गोविंद माधव, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, अधिशासी अभियंता एन एच 730 आर के वर्मा के साथ नगर पालिका सिद्धार्थनगर के काशीराम कालोनी में जल निकासी व्यवस्था हेतु निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा काशीराम कालोनी का भ्रमण कर जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु अधिशासी अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता एन एच 730 से आवश्यक जानकारी प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी द्वारा काशीराम कालोनी से उसका मार्ग, केन्द्रीय विद्यालय एवं जिला उद्यान कार्यालय के सामने एन एच द्वारा नाला निर्माण कार्य को देखा गया। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता एन एच 730 एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सिद्धार्थनगर को समन्वय स्थापित करते हुए नाला निर्माण कराने का निर्देश दिया जिससे काशीराम कालोनी में जल जमाव न हो सुचारू रूप से पानी नाले में पहुंच जाए। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को मोहल्ले में नाली निर्माण कराकर जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

एंड नाईट स्पेस फाउंडेशन ने चलाया 10 दिवसीय निःशुल्क विज्ञान जनजागरण अभियान

सिद्धार्थनगर। जिले के डे एंड नाईट स्पेस फाउंडेशन गोरखपुर द्वारा 2 फरवरी से 12 फरवरी 2026 तक पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों में 10-दिवसीय निःशुल्क विज्ञान जनजागरण अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत हैंड्स-ऑन साइंस एक्टिविटी, वैज्ञानिक व्याख्यान तथा दूरबीनों के माध्यम से आकाश दर्शन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गये जिनमें विद्यार्थियों और शिक्षकों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य विज्ञान को सरल, रोचक और व्यवहारिक रुप में समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाना तथा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, तार्किक दृष्टिकोण और नवाचार की भावना विकसित करना था। प्रतिभागियों को स्वयं वैज्ञानिक प्रयोग करने का अवसर दिया गया।जिससे विज्ञान को प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से समझने का अवसर मिला।यह अभियान गोरखपुर के साथ-साथ कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, संतकबीर नगर, बस्ती और सिद्धार्थनगर जनपद में आयोजित किया गया जिसमें लगभग 5000 विद्यार्थियों ने भाग लिया। अभियान का शुभारंभ महात्मा बुद्ध के महापरिनिर्वाण स्थल कुशीनगर से हुआ और समापन महात्मा बुद्ध की जन्मस्थली सिद्धार्थनगर जिले के शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेदवा में किया गया।अभियान के दौरान मालती देवी हायर सेकेंडरी स्कूल कुशीनगर, हीरामन महात्तम पी.जी. कॉलेज देवरिया, लिटिल फ्लावर स्कूल गोरखपुर, राजकीय हाई स्कूल नवापार, ब्लू बेल्स जूनियर हाई स्कूल, हरिश्याम इंटरमीडिएट कॉलेज महराजगंज, प्रैक्सिस विद्यापीठ बस्ती, कासिम इंटर कॉलेज सिद्धार्थनगर व कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेदवा शोहरतगढ़ सहित कई शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किये गये।कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित विज्ञान संचारकों और विशेषज्ञों – चंद्रमौली जोशी, चित्रा सिंह 'अंतरिक्ष देवी', अमर पाल सिंह, राहुल व्यास, संतोष कुमार और डॉ. अनूप कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और जिज्ञासा बनायें रखने के लिए प्रेरित किया।फाउंडेशन की संस्थापक प्रिया यादव ने कहा कि यह पहल विज्ञान को जन-जन तक पहुँचाने का एक दूरदर्शी प्रयास है जिससे नई पीढ़ी में वैज्ञानिक चेतना और अनुसंधान की भावना को मजबूत किया जा सके।फाउंडेशन द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क रहे और भविष्य में भी ऐसे विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किये जाने की योजना है।कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेदवा शोहरतगढ़ में समापन के अवसर पर चित्रा सिंह, अमरेश कुमार, राकेश कुमार राज, मुस्तन शेरुल्लाह, बृजेश यादव, सिद्धार्थ कुमार, पवन चौरसिया, मनमोहन, राकेश जायसवाल, कमलेश मिश्रा, चंद्र प्रकाश उर्फ चिंटू, रामानंद पाण्डेय, सुग्रीव यादव, निसार चौधरी, राधेश्याम, रेनू मद्धेशिया, आशा चौधरी, शांति देवी, सोनमती, कोइला चौधरी, राधिका, राजकिशोर चौधरी सहित छात्र छात्राएं मौजूद रहें।

पास्को एक्ट में वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के निर्देशन, व क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव के कुशल पर्वेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार मौर्य थाना शिवनगर डिडई मय टीम द्वारा मु.अ.सं. 123/2025 धारा 351(3), 65(1) बीएनएस व पाक्सो एक्ट व 67 आई टी एक्ट से सबंधित वांछित अभियुक्त को स्वाद ढाबा डइवा कोदई जोत से शिखर शुक्ला पुत्र स्व0 रामसुख शुक्ला साकिन बानकुईया को समय करीब 11.25 बजे गिरफ्तार किया गया । थाना स्थानीय पुलिस उप निरीक्षक राजीव जी भट्ट, हेड कांस्टेबल सौरभ सिंह, कांस्टेबल गोरख कुमार ने आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए अभियुक्त उपरोक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

चाइनीज मांझे का निर्माण, भण्डारण, क्रय-विक्रय एवं उपयोग पूर्णतः प्रतिबन्धित है

चाइनीज मांझे का निर्माण, भण्डारण, क्रय-विक्रय एवं उपयोग करने वालो के विरूद्ध की जायेगी कठोर दण्डात्मक कार्यवाही

प्रयागराज। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 के तहत चाइनीज मांझे का निर्माण, भण्डारण, क्रय-विक्रय एवं उपयोग पूर्णतः प्रतिबन्धित है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम-1986, भारतीय न्याय संहिता की धारा-188 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत चाइनीज मांझे का निर्माण, भण्डारण, क्रय-विक्रय, उपयोग करने वालों के विरूद्ध सजा व आर्थिक जुर्माने का प्राविधान है। ऐसा करने वालों के विरूद्ध निर्धारित प्राविधानों के तहत कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। चाइनीज मांझा, नायलॉन व मैटेलिक पाउडर तथा एल्युमिना एवं लेड जैसे खतरनाक रसायन आदि धातुओं के मिश्रण से निर्मित होने के कारण यह घातक व खतरनाक होता है। इसके चपेट में आने पर हादसा होने की प्रबल सम्भावना रहती है। दो पहिया वाहन चालकों के मांझे से उलझने के कारण दुर्घटना होने पर दो पहिया वाहन चालकों के सीधे गर्दन पर घाव होने तथा साइकिल एवं पैदल यात्रा में भी लोगो के मांझे से घायल होने की प्रबल सम्भावना रहती है। चाइनीज मांझे से बचाव के लिए दो पहिया वाहन चालक हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें एवं कार से यात्रा कर रहे सहयात्री इस बात का विशेष ध्यान दें कि किसी भी दशा में सनरूफ से सिर को बाहर न निकालें साथ ही बच्चों को चाइनीज मांझे के प्रति जागरूक करे तथा पतंगबाजी वाले स्थानों पर स्वयं विशेष सतर्कता बरतें। कोई भी व्यक्ति चाइनीज मांझे का उपयोग न करें और न ही किसी अन्य को इसका उपयोग करने दे। चाइनीज मांझे के प्रयोग को रोकने हेतु व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाना अति आवश्यक है। अपर जिलाधिकारी (नगर) सत्यम मिश्र ने पुलिस उपायुक्त नगर, गंगानगर, यमुनानगर एवं यातायात से चाइनीज मांझे के निर्माण एवं क्रय-विक्रय पर प्रतिबन्ध/रोक लगाने एवं यदि किसी व्यक्ति के द्वारा चाइनीज मांझे के निर्माण एवं क्रय-विक्रय किये जाने का तथ्य प्रकाश में आये तो उसके विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किए जाने के लिए कहा है।

आर्य कन्या इण्टर कालेज में 40 किलो वाट के सोलर ऊर्जा संयंत्र का शुभारम्भ

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आर्य कन्या इंटरमीडिएट कालेज (इंग्लिश मीडियम) मुठीगंज में आज महर्षि दयानंद जी की जयंती के अवसर पर हवन - पूजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक पंकज जायसवाल ने बटन दबा कर 40 किलो वाट के सोलर ऊर्जा संयंत्र का उदघाटन किया ।इस अवसर पर रवीन्द्र जायसवाल, प्रो दीपक, प्रो पूर्णिमा जायसवाल, सभासद किरन जायसवाल, देवाशीष, मदन शर्मा, प्रो अर्चना पाठक प्रो इभा सिरोठिया, डॉ रंजना त्रिपाठी, नीना प्रजापति, अनुपमा श्रीवास्तव, रिचा अवस्थी, पूनम जायसवाल, मोनाली जायसवाल सहित बड़ी संख्या में छात्र व छात्राएं उपस्थित रहें।

मतदाताओं के नाम, पिता के नाम, पता, भाग की गडबडी दूर की जाये : मनु पुरवार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सिने स्टार, फैशन डिज़ाइनर और वर्ल्डवाइड फोटोग्राफर मनु पुरवार ने कहा कि स्वस्थ्य लोकतंत्र और पूर्ण बहुमत की सरकार के लिए सभी मतदाता बने क्योकि चुनाव आयोग मतदाताओं की जांच कर रहा है इस दौरान जो नये युवा है वह 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके है या करने वाले है और जो मतदाता शहर और गांव में है वह लोग एक स्थान पर मतदाता बने और वोटरलिस्ट में जो खामियां है उसे वह शीघ्र दूर करा लें।

यह बातें सिने स्टार, फैशन डिज़ाइनर और वर्ल्डवाइड फोटोग्राफर मनु पुरवार ने आज कही। वह मुम्बई से प्रयागराज के कटरा स्थित माधोकुंज अपने घर पहुंचे है। उन्होंने कहा कि वोटरलिस्ट में मतदाता का नाम शहर और गांव में है लेकिन वह मतदान सिर्फ एक स्थान पर करता है ऐसे में एक स्थान पर वह मतदान नहीं कर पाता है इससे मतदान का ग्राफ कम रहता है और चुनाव आयोग का खर्च बढ जाता है। उन्होंने कहा कि एक स्थान की मतदाता सूची में नाम रहना चाहिए जिससे कि मतदान के दौरान कोई गडबडी ना हो और चुनाव आयोग पर कोई अतिरिक्त खर्च ना आये।

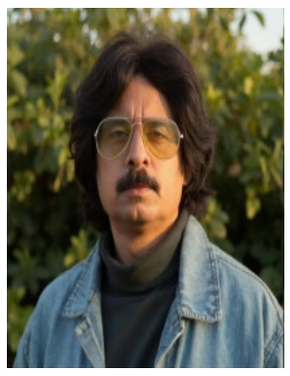

सिने स्टार, फैशन डिज़ाइनर और वर्ल्डवाइड फोटोग्राफर मनु पुरवार ने कहा कि जो युवा 18 वर्ष की आयु का हो गया हो या होने वाला हो वह सभी मतदाता जरूर बने जिससे कि पूर्ण बहुमत की और स्वस्थ्य लोकतंत्र की सरकार चुनी जा सके। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची तैयार होने के दौरान ग्राम प्रधान, बीडीसी सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, ब्लाक प्रमुख, पार्षद सहित अन्य से राय जरूर लिया जाये जिससे कि किसी का भी नाम मतदाता सूची में शामिल होने से छूटने ना पाये। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम, पिता के नाम, उम्र, पता, मकान नंबर या भाग में किसी भी प्रकार की गडबडी हो वह भी दूर की जाये जिससे कि मतदान के दौरान मतदाताओं को कोई परेशानी ना होने पाए।

कोटक महिंद्रा बैंक ने शुरू किया 'सेहत का सफर 4.0', देश के परिवहन कर्मियों के स्वास्थ्य को मिलेगा नया सहारा

गोरखपुर देशभर में 45 स्वास्थ्य व नेत्र जांच शिविर आयोजित होंगे ड्राइवरों और उनके परिवारों को मिलेगा निःशुल्क स्वास्थ्य सहयोग

मुंबई। कोटक महिंद्रा बैंक (केएमबीएल/कोटक) ने अपने प्रमुख कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम 'सेहत का सफर 4.0' के चौथे संस्करण की शुरुआत की घोषणा की है। यह पहल खास तौर पर देश के ट्रक ड्राइवरों, ट्रांसपोर्टरों और उनके परिवारों के लिए निःशुल्क निवारक स्वास्थ्य जांच सुविधा उपलब्ध कराती है।

ये वही लोग हैं जो देश की अर्थव्यवस्था को लगातार गतिशील बनाए रखते हैं, लेकिन अक्सर स्वास्थ्य सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित रह जाती है।

साल 2022 में शुरू हुई यह पहल हर वर्ष विस्तार पाती गई है। अब तक इसके तीन संस्करणों में 75 से अधिक शहरों में 120 से ज्यादा स्वास्थ्य शिविर लगाए जा चुके हैं, जिनसे लगभग 13, 500 ड्राइवर लाभान्वित हुए हैं।

'सेहत का सफर 4.0' की शुरुआत 18 दिसंबर 2025 से हो चुकी है और यह 31 मार्च 2026 तक चलेगा। इस अवधि में देश के प्रमुख परिवहन मार्गों पर 45 से अधिक स्वास्थ्य और नेत्र जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष बैंक का लक्ष्य करीब 4, 500 ट्रक ड्राइवरों और उनके परिवारों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का है, ताकि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य के साथ आर्थिक सुरक्षा भी मिल सके।

इस पहल के अंतर्गत ओडिशा, असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पंजाब सहित कई प्रमुख ट्रांसपोर्ट केंद्रों पर शिविर लगाए जाएंगे।

कोटक महिंद्रा बैंक के प्रेसिडेंट - लॉजिस्टिक्स एवं इंफ्रास्ट्रक्चर, अमित मोहन ने कहा, 'देश का लॉजिस्टिक्स क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसकी मजबूती उन लोगों पर निर्भर करती है जो इसे आगे बढ़ाते हैं। 'सेहत का सफर 4.0' के माध्यम से हम सीधे ट्रांसपोर्ट हब्स तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा रहे हैं, ताकि ड्राइवर और उनके परिवार समय पर जांच और उपचार का लाभ ले सकें। इससे न केवल उनका स्वास्थ्य बेहतर होगा, बल्कि एक सशक्त और स्वस्थ कार्यबल तैयार होगा, जो देश की सतत आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।'

'सेहत का सफर 4.0' के प्रत्येक शिविर में योग्य डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और काउंसलर मौजूद रहेंगे। वे स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ जागरूकता कार्यक्रम भी चलाएंगे और ड्राइवरों को संबंधित सरकारी योजनाओं की जानकारी देंगे।

मार्च में होगा वीएमसी का नेशनल एडमिशन टेस्ट

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। विद्यामंदिर क्लासेज (वीएमसी) देश का जाना-माना कोचिंग संस्थान है जो जेईई (मेन व एडवांस), नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में विशिष्टता रखता है. वीएमसी अपने फ्लैगशिप टेस्ट यानी एनएटी के लिए तैयार है जिसके जरिए छात्र एडमिशन और स्कॉलरशिप पा सकेंगे. ये टेस्ट 1, 8, 14 और 15 मार्च को होगा जिसके जरिए देशभर के अच्छे छात्रों को प्रोत्साहित किया जाएगा और उनकी परफॉर्मेंस के लिए रिवॉर्ड भी दिया जाएगा. यह स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट छात्रों को प्रोत्साहित करने और उन्हें शैक्षिक सफलता की ओर प्रेरित करने के लिए आयोजित किया जाएगा।

यह परीक्षा उन छात्रों के लिए है जो कक्षा 6 वीं, 7वीं, 8वीं, 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं में जा रहे हैं। उन्हें विद्यामंदिर क्लासेज के विभिन्न प्रोग्राम्स में दाखिले और 100इ तक की स्कॉलरशिप पाने का अवसर मिलेगा। इस टेस्ट के माध्यम से छात्र जेईई और नीट जैसी परीक्षाओं की तैयारी में भी बढ़त हासिल करेंगे। इसके तहत वीएमसी संस्थापकों और विशेषज्ञों द्वारा मेंटॉरशिप / मोटिवेशनल सेशंस, निःशुल्क डाउट रिज़ॉल्यूशन, निकटतम वीएमसी केंद्र पर अकादमिक सहायता, अच्छी तरह से शोधित और वैज्ञानिक आधार पर तैयार किया गया ई-स्टडी मैटेरियल और असीमित मॉक टेस्ट का लाभ भी दिया जाएगा। वीएमसी पूरे देश में नेशनल एडमिशन टेस्ट का आयोजन अपने प्रतिष्ठित क्लासरूम और ऑनलाइन प्रोग्राम्स के लिए छात्रों का चयन करने हेतु करता है। इन प्रोग्राम्स को जेईई और नीट के साथ-साथ ओलंपियाड्स और बोर्ड्स जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है।

विद्यामंदिर क्लासेज के सह-संस्थापक बृज मोहन ने कहा 'विभिन्न चरणों में छात्रों की जरूरतों को समझना वीएमसी की शिक्षण पद्धति की प्रेरणा रहा है। यही कारण है कि हमारे छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। वीएमसी में कक्षाओं का नेतृत्व संस्थापकों और अत्यधिक अनुभवी फैकल्टी सदस्यों द्वारा किया जाता है, जो जेईई और नीट जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए छात्रों को तैयार करते हैं।'

विद्यामंदिर क्लासेज का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान की एक ठोस नींव तैयार करना और योग्य और प्रेरित इंजीनियरों और डॉक्टरों को तैयार करना है। जेईई और नीट जैसी परीक्षाओं के लिए तैयारी करने वाले छात्रों को, जो देश के शीर्ष इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों में अध्ययन करना चाहते हैं, इस परीक्षा को जरूर देना चाहिए।

गायत्री ज्ञान मंदिर के ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत 457वाँ युगऋषि वाङ्मय की स्थापना सम्पन्न

प्रयागराज। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत 'होली श्राईन इण्टर कॉलेज, मानस विहार, इन्दिरानगर, लखनऊ' के केन्द्रीय पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 457वाँ ऋषि वाङ्मय की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार की सक्रिय कार्यकर्ता-कार्यकर्त्री नितिन पाण्डेय एवं श्रीमती शोभिता पाण्डेय ने अपने पूज्य माता-पिता श्रीमती सुमन पाण्डेय तथा डी0एस0 पाण्डेय के पचासवें विवाह दिवस के अवसर पर सुखी गृहस्थ जीवन के लिए भेंट किया तथा संस्थान के सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका भी भेंट किये।

इस अवसर पर वाङ्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि 'ऋषि का सद्साहित्य नैतिक शिक्षा प्रदान करता है।' डॉ0 नीलम गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संस्थान की निदेशिका श्रीमती उषा शंकर (नानी मैम) ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मंच का संचालन विभागाध्यक्ष पी0के0 पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर गायत्री ज्ञान मंदिर के प्रतिनिधि उमानन्द शर्मा, देवेन्द्र सिंह, डॉ0 नीलम गुप्ता, श्रीमती सुमन पाण्डेय तथा संस्थान की निदेशिका श्रीमती उषा शंकर (नानी मैम), कार्यकारी निदेशिका श्रीमती उज्जवला शंकर, प्रबन्धक भानू प्रताप, प्रधानाचार्या छाया अस्थाना, हिन्दी एवं संस्कृत के विभागाध्यक्ष पी0के0 पाण्डेय सहित शिक्षक-शिक्षिकायें एवं छात्रगण मौजूद थे।

माघ मेला में कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन आनंदना ने जिम्मेदारी से कचरा प्रबंधन एवं सार्वजनिक सुविधाओं को समर्थन दिया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन - आनंदना, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में 3 जनवरी से 15 फरवरी तक आयोजित किए जा रहे माघ मेला 2026 में जिम्मेदारी से कचरा प्रबंधन और आगंतुकों के लिए सार्वजनिक सुविधाओं (पब्लिक यूटिलिटी) में सहयोग कर रहा है। कोका-कोला इंडिया के कैंपेन हैशटैग मैदान साफ (#मैदानसाफ) के तहत उठाए जा रहे इस कदम के माध्यम से बड़े सार्वजनिक मेलों में जिम्मेदारी से कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देने पर फोकस किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य संगठित कचरा संग्रह को समर्थन देना और भारत के सबसे बड़े वार्षिक मेले में शुमार इस आयोजन को संभालना है। 44 दिनों के इस आयोजन में करीब 10 करोड़ लोगों के आने का अनुमान है।

आनंदना ने ई-कन्शियस और इकोडेको द रीसाइकिल होम प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में माघ मेला क्षेत्र में रीसाइकिल किए हुए प्लास्टिक कचरे से तैयार पब्लिक यूटिलिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित किए हैं। इनमें 20 चेंजिंग रूम शामिल हैं, जिन्हें लोगों की सहूलियत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। साथ ही इनके माध्यम से यहां आने वाले लोगों को प्लास्टिक कचरे के व्यावहारिक प्रयोग के बारे में जागरूक किया जा रहा है। बड़े पैमाने पर कचरा संग्रह को बढ़ावा देने के लिए रीसाइकिल किए हुए प्लास्टिक से ही 25, 000 डस्टबिन लाइनर्स भी पूरे मेला परिसर में प्रमुख स्थानों पर रखे गए हैं।

इस पहल के तहत कंजम्शन पॉइंट पर ही स्थानीय वेंडर्स द्वारा संचालित हाइड्रेशन कार्ट को भी मेला क्षेत्र में स्ट्रक्चर्ड वेस्ट कलेक्शन सिस्टम के साथ इंटीग्रेट किया गया है। इससे प्रयोग की हुई बोतलों को जिम्मेदारी के साथ डिस्पोज करना संभव हुआ है। तीर्थयात्रियों को पेयजल तक सुगम पहुंच देने के साथ-साथ हाइड्रेशन कार्ट के माध्यम से मेला अवधि के दौरान स्थानीय वेंडर्स के लिए अस्थायी रोजगार का अवसर भी सृजित किया गया है।

इस पहल को लेकर प्रयागराज डिवीजन की डिवीजनल कमिश्नर श्रीमती सौम्या अग्रवाल ने कहा, 'माघ मेला भारत के सबसे उल्लेखनीय सार्वजनिक मेलों में से एक है और इतने बड़े पैमाने पर कचरे को प्रबंधित करने के लिए अलग-अलग संबंधित पक्षों के बीच साझा प्रयासों की जरूरत होती है। हम पब्लिक यूटिलिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और जिम्मेदारी के साथ कचरा प्रबंधन की दिशा में कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन - आनंदना के समर्थन की सराहना करते हैं। इससे मेला के दौरान प्रशासन के प्रयासों में मदद मिली है।'

कोका-कोला इंडिया एंड साउथवेस्ट एशिया की वाइस प्रेसिडेंट - पब्लिक अफेयर्स, कम्युनिकेशंस एंड सस्टेनेबिलिटी देवयानी आर. एल. राणा ने कहा, 'माघ मेला के दौरान प्रयागराज के घाटों पर कई हफ्ते के लिए अस्थायी शहर बसा दिया जाता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु, वेंडर और स्थानीय लोग होते हैं। इस मेले के आकार और अवधि को देखते हुए हमारा प्रयास है कि मेले की गतिविधियों के साथ जिम्मेदारी से कचरा प्रबंधन को इस तरह इंटीग्रेट किया जाए, जो व्यावहारिक, विजिबल एवं स्थानीय संदर्भ के अनुरूप प्रासंगिक हो। मैदान साफ पहल के माध्यम से और अपने पार्टनर्स के साथ हम जिम्मेदारी से कचरा प्रबंधन को बढ़ावा दे रहे हैं और इस संदर्भ में जागरूकता बढ़ा रहे हैं।'

ज्यादा प्रतिभागिता को प्रोत्साहित करते हुए आनंदना ने इन्फॉर्मेशन, एजुकेशन एवं कम्युनिकेशन (आईईसी) को बढ़ावा देने के लिए लक्ष्य - ए सोसायटी फॉर सोशल एंड एनवायरमेंट डेवलपमेंट के साथ भी साझेदारी की है। इन प्रयासों को इस तरह डिजाइन किया गया है, जिससे श्रद्धालु, वेंडर्स, सफाईकर्मी और स्थानीय लोग प्रोत्साहित हों और पूरे मेले के दौरान जिम्मेदारी से कचरा प्रबंधन को बढ़ावा मिले।

यह पहल साझा और मल्टी-पार्टनर एप्रोच को दर्शाती है, जिसमें विभिन्न फाउंडेशन, क्रियान्वयन सहयोगियों और स्थानीय प्रशासन को साथ लाते हुए बड़े जन जुटाव वाले मेले में जिम्मेदारी से कचरा प्रबंधन के प्रयासों को समर्थन दिया गया है। माघ मेला 2026 के साथ मैदान साफ लगातार एक ऐसे स्केलेबल (विस्तार के योग्य) मॉडल के रूप में उभर रहा है, जिसके माध्यम से भारत के बड़े सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान जिम्मेदारी से कचरा प्रबंधन की प्रक्रियाओं को इंटीग्रेट किया जा सकता है।

कप्तान दसुन शनाका की रिकॉर्ड तोड़ पारी, टी20 विश्व कप में श्रीलंका ने ओमान को बुरी तरह हराया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सह-मेजबान श्रीलंका ने पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 16वें मैच में ओमान पर 105 रनों की शानदार जीत दर्ज की। कप्तान दासुन शनाका के रिकॉर्ड तोड़ अर्धशतक और शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर टी20 विश्व कप 2026 की अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। कुसल मेंडिस (45 गेंदों में 61 रन), पवन रत्नायके (28 गेंदों में 60 रन) और दासुन शनाका (20 गेंदों में 50 रन) ने बल्ले से दबदबा बनाया, जबकि महेश थीक्षाना (4 ओवर में 2/11) और दुशमंथा चमीरा (20 ओवर में 2/19) ने गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया।

ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने के बाद, श्रीलंका ने पावरप्ले के दौरान शुरुआती झटके झेले, जिसमें कामिल मिश्रा (8) और पथुम निस्संका (13) आउट हो गए। हालांकि, ओमान द्वारा उलटफेर करने की कोई भी उम्मीद कुसल मेंडिस और पवन रत्नायके के बीच महज 50 गेंदों में खेली गई 94 रनों की तूफानी साझेदारी के सामने जल्द ही खत्म हो गई। रत्नायके ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए महज 28 गेंदों में 60 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल था। 14वें ओवर में उनके आउट होने के बाद दासुन शनाका के आने से ओमान की टीम ने और भी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की।

शनाका ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए सिर्फ 19 गेंदों में श्रीलंकाई बल्लेबाज द्वारा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक बनाने का सबसे तेज रिकॉर्ड कायम किया। पांच छक्के और दो चौकों सहित उनकी नाबाद पारी ने श्रीलंका को 20 ओवरों में 225/5 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया - जो टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर और पुरुष टी20 विश्व कप के इतिहास का चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। 226 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान की बल्लेबाजी शुरू होने से पहले ही लड़खड़ा गई। दुशमंथा चमीरा ने पहले छह ओवरों में दो विकेट लेकर जतिंदर सिंह को एक रन पर और हम्माद मिर्जा को नौ रन पर आउट कर दिया।

अनुभवी मोहम्मद नदीम ने भले ही कुछ हद तक संघर्ष की उम्मीद जगाई हो, लेकिन चोटिल वानिंदु हसरंगा की अनुपस्थिति में श्रीलंका के स्पिन-प्रधान आक्रमण के सामने ओमान की टीम पूरी तरह से पस्त हो गई। नदीम की 56 गेंदों पर खेली गई 53 रनों की जुझारू पारी ने उन्हें टी20 विश्व कप इतिहास में अर्धशतक बनाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का खिताब दिलाया, लेकिन यह ओमान के लिए काफी नहीं था।

अमेरिका मैच से पहले टीम इंडिया की अग्निपरीक्षा, अभिषेक-ईशान को लेकर टेंशन, नामीबिया के खिलाफ उतरेगी नई प्रारंभिक जोड़ी!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट टीम आगामी टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप ए में नामीबिया के खिलाफ होने वाले मैच की तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए एक संभावित संकट से जूझ रही है। हालांकि भारत ने अमेरिका के खिलाफ अपने पिछले मैच में जीत हासिल की, लेकिन प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं था, जिससे टीम के सामने सवालों की झड़ी लग गई है। कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले को देखते हुए टीम प्रबंधन ने बिना किसी बाधा के तैयारी की उम्मीद की थी; लेकिन इसके विपरीत, उन्हें मेडिकल रूम में भारी भीड़ का सामना करना पड़ रहा है।

सबसे बड़ी चिंता अभिषेक शर्मा और ईशान किशन की विस्फोटक सलामी जोड़ी को लेकर है। शर्मा, जिनकी आक्रामक बल्लेबाजी भारत की हालिया रणनीति की पहचान रही है, पेट की गंभीर समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती हुए थे। हालांकि उन्हें बुधवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई, लेकिन शारीरिक रूप से थकावट के कारण उनका जल्द वापसी करना मुश्किल लग रहा है। उनकी अनुपस्थिति में संजू सैमसन सलामी बल्लेबाजी के लिए प्रबल दावेदार हैं। हालांकि, चयन संबंधी मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब ईशान किशन नेट सेशन के दौरान चोटिल हो गए, जिससे रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है और सूर्यकुमार यादव या तिलक वर्मा को शीर्ष बल्लेबाजी के लिए भेजा जा सकता है।

ओपनिंग स्लॉट के अलावा, कई अन्य बदलावों की भी उम्मीद है। भारत पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म को बरकरार रखना चाहता है। मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने विशेष रूप से चोट और बीमारी की समस्याओं को देखते हुए एक चुनौतीपूर्ण चुनौती है। अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में तेज बुखार के कारण बाहर रहने के बाद, भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की प्लेइंग इलेवन में वापसी की उम्मीद है। उन्हें टीम में शामिल करने के लिए, प्रबंधन को मोहम्मद सिराज के बारे में एक कठिन निर्णय लेना पड़ सकता है, भले ही सिराज ने पिछले मैच में प्रभावशाली तीन विकेट लिए हों। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले इस मैच में स्पिन गेंदबाजों को अक्सर मदद मिलती है, इसलिए कुलदीप यादव को टीम में शामिल करने की मांग बढ़ रही है। अगर पिच सूखी हुई लगती है, तो वह किसी सीमर या यहां तक कि वरुण चक्रवर्ती की जगह लेकर कलाई की स्पिन गेंदबाजी को एक नया आयाम दे सकते हैं। साइड स्ट्रेन से उबर चुके वाशिंगटन सुंदर अब उपलब्ध हैं। पावरप्ले में गेंदबाजी करने और निचले क्रम में बल्लेबाजी को मजबूती देने की उनकी क्षमता उन्हें रिंकू सिंह की जगह लेने का एक मजबूत दावेदार बनाती है, अगर टीम नामीबिया के मध्य क्रम के खिलाफ अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प चुनती है।

एचयूएल का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ दोगुना होकर 6,603 करोड़ रुपए

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। घरेलू उपयोग का रोजमर्रा का सामान बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर दोगुना होकर 6, 603 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। एचयूएल ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अपने आइसक्रीम व्यवसाय को क्वालिटी वॉल्स (इंडिया) लिमिटेड को बेच दिया था जिससे उसके लाभ में यह वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने बताया कि नई श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन से तिमाही के दौरान 576 करोड़ रुपए के असाधारण मद (हानि) दर्ज किए।

कंपनी ने कहा, ''शुद्ध लाभ 6, 603 करोड़ रुपए रहा, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 121 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि मुख्य रूप से आइसक्रीम व्यवसाय को बेचने से उत्पन्न एकमुश्त सकारात्मक प्रभाव के कारण हुई..'' असाधारण मदों को छोड़कर शुद्ध लाभ एक प्रतिशत बढ़कर 2, 562 करोड़ रुपए रहा। वहीं असाधारण मदों और कर से पहले इसका लाभ 3, 495 करोड़ रुपए था। समीक्षाधीन तिमाही में उत्पादों की बिक्री से इसका राजस्व 5.71 प्रतिशत बढ़कर 16, 197 करोड़ रुपए हो गया। 2024-25 की इसी तिमाही में यह 15, 322 करोड़ रुपए था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एचयूएल का कुल व्यय 6.37 प्रतिशत बढ़कर 13, 078 करोड़ रुपए रहा।

अन्य राजस्व सहित इसकी कुल आय 5.01 प्रतिशत बढ़कर 16, 580 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक प्रिया नायर ने कहा, ''इस तिमाही के दौरान, मांग के रुझानों में सुधार के शुरुआती संकेत दिखाई दिए जो सहायक नीतिगत उपायों द्वारा समर्थित थे।'' उन्होंने कहा, ''हमने अपने ब्रांड के साथ व्यापक स्तर पर आकर्षण बढ़ाना जारी रखा, उच्च-वृद्धि मांग वाले क्षेत्रों में बाजार विकास को गति दी और त्वरित वाणिज्य के लिए एक समर्पित संगठन के साथ भविष्य के माध्यमों को विस्तारित करने की अपनी क्षमताओं को मजबूत किया।''

सुप्रीम कोर्ट की आरईआरए को कड़ी फटकार

कहा- ये अथॉरिटी सिर्फ बिल्डरों को फायदा पहुंचा रही है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सुप्रीम कोर्ट ने रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटीज (आरईआरए) के कामकाज पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि इस संस्था को समाप्त कर देना ही बेहतर होगा, क्योंकि यह घर खरीदारों की बजाय बिल्डरों को लाभ पहुंचाती प्रतीत होती है। कार्यवाही के दौरान, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने आरईआरए की प्रभावशीलता पर सवाल उठाते हुए इसके कामकाज पर चिंता व्यक्त की।

सीजेआई ने टिप्पणी की कि यह संस्था बिल्डरों के हितों की सेवा करती हुई प्रतीत होती है। सीजेआई ने कहा कि यह डिफॉल्ट करने वाले बिल्डरों को सुविधा प्रदान करने के अलावा कुछ नहीं कर रही है और आगे कहा कि इस संस्था को पूरी तरह से समाप्त कर देना ही बेहतर होगा। अदालत ने आगे कहा कि सभी राज्यों को अब उन लोगों के हितों पर विचार करना चाहिए जिनके लिए मूल रूप से आरईआरए संस्था का गठन किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में आरईआरए कार्यालय को स्थानांतरित करने वाली अधिसूचना पर उच्च न्यायालय द्वारा लगाए गए स्टे पर भी टिप्पणी की। सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी है जिसने पहले अधिसूचना पर रोक लगाई थी।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में अदाणी समूह की एंट्री! 'अदाणी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड' का गठन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अडानी पावर ने गुरुवार को न्यूक्लियर या एटॉमिक एनर्जी से मिलने वाली बिजली बनाने, भेजने और बांटने के लिए एक नई एटॉमिक एनर्जी यूनिट बनाने की घोषणा की। अदाणी पावर ने परमाणु एवं नाभिकीय ऊर्जा से प्राप्त बिजली के उत्पादन, पारेषण एवं वितरण के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी 'अदाणी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड' (एएईएल) का गठन किया है।

नई यूनिट, जिसे ऑफिशियली अडानी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड के नाम से जाना जाता है, कंपनी की पूरी तरह से मालिकाना हक वाली सब्सिडियरी के तौर पर 5 लाख रुपये के शुरुआती इन्वेस्टमेंट के साथ बनाई गई है। अडानी पावर शेयर प्राइसः अडानी पावर लिमिटेड के शेयर बुधवार को 1.75 रुपये (इ1.17इ) की बढ़ोतरी के बाद 150.85 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए।

कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एएईएल को 5, 00, 000 रुपये की अधिकृत पूंजी के साथ गठित किया गया है। इसे 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 50, 000 शेयर में विभाजित किया गया है।

अ दाणी पावर की एएईएल में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी ने कहा कि एएईएल का भारत में 11 फरवरी 2026 को गठन किया गया। उसी दिन इसे केंद्रीय पंजीकरण केंद्र, कंपनी रजिस्ट्रार से निगमण प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। इसमें कहा गया कि अदाणी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी इकाई है और इसलिए ही यह कंपनी की संबंधित पक्ष इकाई भी है।

यह भारतीय संसद द्वारा सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ़ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया बिल पास करने के दो महीने बाद हुआ है, जिससे एक ऐसे सेक्टर में प्राइवेट हिस्सेदारी का रास्ता साफ़ हुआ है जिस पर अब तक सरकार का कड़ा कंट्रोल रहा है। इस कदम से भारत की न्यूक्लियर एनर्जी पॉलिसी में एक बड़ा बदलाव आया है।

नई सीपीआई सीरीज के तहत जनवरी में खुदरा मुद्रास्फीति 2.75 प्रतिशत पर : सरकार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सरकार ने नई कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) सीरीज के तहत पहला महंगाई डेटा जारी कर दिया है। गुरुवार 12 फरवरी को घोषित डेटा के अनुसार, नई कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) सीरीज के तहत जनवरी 2026 में भारत की रिटेल महंगाई 2.75 प्रतिशत रही, जबकि उससे पिछले महीने में यह 1.33 प्रतिशत (पुरानी सीरीज के तहत) रही थी। यह डेटा एक दशक से ज्यादा समय में भारत की रिटेल महंगाई सीरीज में पहला बड़ा बदलाव है, जिसमें बेस ईयर 2012 से अपडेट करके 2024 किया गया है।

पिछले साल के आखिर में महंगाई बढ़ने लगी थी, जो पुरानी सीरीज के तहत एक महीने पहले के 0.71 फीसदी से दिसंबर में बढ़कर 1.33 फीसदी हो गई। अब नई सीरीज से पता चलता है कि महंगाई लगातार तीन महीनों से बढ़ रही हैं, क्योंकि इंडेक्स दिसंबर में 104.10 और नवंबर में 104.01 से बढ़कर जनवरी में 104.46 हो गया।

बदले हुए सीपीआई इंडेक्स में एक बड़ा बदलाव यह है कि खाने की चीजों का वेटेज (हिस्सा) कम हो गया है। खाने की चीजों का वेटेज पहली बार 40 फीसदी से कम हो गया है। वहीं नॉन-फूड कैटेगरी अब इंडेक्स में 60 फीसदी से अधिक हैं, जो पहले लगभग 45 फीसदी था। साथ ही, ग्रामीण खपत को ज्यादा असरदार वजन दिया गया है, जो कुल मांग में इसके बढ़ते योगदान को दिखाता है। रिवाइज्ड यानी नई सीरीज के तहत फूड इन्फ्लेशन बढ़कर 2.13 फीसदी हो गया। हालांकि कम वेटेज की वजह से हेडलाइन इन्फ्लेशन पर इसका कुल असर पिछली सीरीज के मुकाबले कम रहने की उम्मीद है।

टी20 विश्व कप : आईसीसी की बड़ी पहल

कोलंबो में बीसीसीआई-बीसीबी के बीच खत्म होगी डेढ़ साल की तल्खी?

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बीसीसीआई और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच सुलह की पूरी तैयारी चल रही है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल भारत-पाकिस्तान मैच के लिए कोलंबो जा रहे हैं, जहां वे बीसीसीआई प्रतिनिधियों से बातचीत करके मामले को सुलझाने की कोशिश करेंगे। पिछले डेढ़ साल से भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंध नहीं बने हैं, क्योंकि 2025 में बांग्लादेश की राजनीतिक स्थिति बिगड़ गई थी।

बांग्लादेश के अखबार 'प्रथम आलो' से बात करते हुए इस्लाम ने बताया कि इस हाई-प्रोफाइल मैच का निमंत्रण अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से आया है। इस्लाम ने कहा कि आईसीसी ने फैसला कर लिया है। आईसीसी के प्रमुख हितधारक ये पांच एशियाई देश हैं और 15 तारीख को होने वाले भारत-पाकिस्तान विश्व कप मैच के लिए वे चाहते हैं कि इन पांचों एशियाई देशों के प्रतिनिधि एक साथ मैदान पर मौजूद रहें, मैच देखें और आपस में बातचीत करें।

भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान विश्व क्रिकेट संगठन में एशियाई गुट बनाते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह बैठक बीसीसीआई के साथ तनाव को समाप्त करने का एक अवसर हो सकती है, तो इस्लाम ने कहा, 'आप इसे कुछ इसी तरह मान सकते हैं।' बीसीसीआई और बीसीबी के बीच दरार तब शुरू हुई जब भारतीय बोर्ड ने कोलकाता नाइट राइडर्स को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को उनके आईपीएल अनुबंध से मुक्त करने का निर्देश दिया, जिसका कारण उन्होंने कुछ अज्ञात परिस्थितियों का हवाला दिया।

ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि यह कदम बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हिंसा से प्रेरित था, जिसमें हिंदुओं को निशाना बनाया गया है। बांग्लादेश ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए विश्व कप मैचों के लिए भारत जाने से इनकार कर दिया। हालांकि, बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह की अध्यक्षता वाली आईसीसी ने अपने आकलन के बाद इन दावों को खारिज कर दिया और कहा कि खतरे का स्तर कम से मध्यम है। विश्व निकाय के साथ लंबी बातचीत के बावजूद अपने रुख पर अड़े रहने के कारण बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया गया।

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 558 अंक लुढ़का, निफ्टी 25, 807 पर हुआ बंद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 12 फरवरी को भारतीय शेयर बाजार में कमजोरी का माहौल बना रहा और लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स करीब 400 अंक तक टूट गया, जबकि निफ्टी फिसलकर 25, 850 के नीचे पहुंच गया। आईटी शेयरों में तेज बिकवाली और ग्लोबल बाजारों से मिले कमजोर संकेतों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। टेक महिंद्रा, इंफोसिस और विप्रो समेत कई आईटी शेयरों में 5इ तक की गिरावट देखी गई, वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर भी दबाव बना रहा। कारोबार के अंत में बीएसई सेंसेक्स 558.72 अंक यानी 0.66इ गिरकर 83, 674.92 पर आ गया। वहीं निफ्टी 146.65 अंक या 0.57इ टूटकर 25, 807.20 के स्तर पर बंद हुआ।

गुरुवार को आईटी शेयरों में भारी दबाव रहा और निफ्टी आईटी इंडेक्स 4.5इ तक लुढ़क गया। बिरला सॉफ्ट, केपीआईटी टेक, कोफोर्ज, एलटीआई माइंडट्री, इंफोसिस, विप्रो, टीसीएस और टाटा एलेक्सी जैसे शेयर 5-6इ तक टूटे। अमेरिकी बाजारों में आईटी शेयरों की कमजोरी, एआई से जुड़ी चिंताएं और ब्याज दरों में कटौती की कम संभावना ने निवेशकों को सतर्क कर दिया। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ँघ आधारित ऑटोमेशन भारतीय आईटी कंपनियों के पारंपरिक बिजनेस मॉडल पर असर डाल सकता है। एशियाई बाजारों में कमजोरी और अमेरिकी बाजारों की गिरावट का असर भी घरेलू बाजार पर पड़ा। हैंगसेंग समेत कई एशियाई सूचकांक लाल निशान में कारोबार करते दिखे, जिससे भारतीय बाजार को सपोर्ट नहीं मिल पाया।

'30 की उम्र में करियर दोबारा शुरू करना डरावना था' प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड छोड़ने के फैसले पर तोड़ी चुप्पी

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का सबसे बड़ा चेहरा हैं, लेकिन सफलता के इस शिखर तक पहुँचने के लिए उन्होंने जो जोखिम उठाया, वह किसी के लिए भी आसान नहीं था। हाल ही में एक इंटरव्यू में प्रियंका ने स्वीकार किया कि 30 की उम्र में अपने स्थापित बॉलीवुड करियर को 'दांव पर लगाना' और हॉलीवुड में शून्य से शुरुआत करना उनके लिए कितना खौफनाक था। प्रियंका ने हॉलीवुड में अपनी शुरुआत टीवी सीरीज क्वांटिको से की, जहाँ वह मुख्य भूमिका निभाने वाली पहली दक्षिण एशियाई अभिनेत्री बनीं। इसके बाद उन्होंने बेवॉच और द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स जैसी बड़ी फिल्मों में काम किया। वैराइटी के साथ एक इंटरव्यू में, प्रियंका ने वेस्ट में अपने डेब्यू के बारे में बताया, '30 की उम्र में अपना करियर फिर से शुरू करना डरावना होता है। मैं सिक्योर थी।' उन्होंने आगे कहा, मैं फाइनेंशियली अच्छा कर रही थी। मैं जमी-जमाई थी। और मैंने इसे बर्बाद करने का फैसला किया। उन्होंने बताया, 'आज मैं जहाँ हूँ, वहाँ पहुँचने में मुझे कई साल लग गए, बहुत मेहनत करनी पड़ी।' मैरी कॉम, बाजीराव मस्तानी और दिल धड़कने दो जैसी फ़िल्मों की सफलता के तुरंत बाद, वह 2015 के आसपास ळए चली गईं, जब वह सबसे ज़्यादा पैसे कमाने वाली भारतीय एक्ट्रेस में से एक थीं।

उन्होंने आगे कहा, 'मैं अब ऐसी स्थिति में हूँ जहाँ मैं वह चीज़ें चुन सकती हूँ जो मैं बनाना चाहती हूँ। मैं इस बात को बहुत अच्छी तरह समझती हूँ, और मैं इसे बहुत गंभीरता से लेती हूँ। हमारे बड़े होने में अनुशासन का बहुत बड़ा हिस्सा था। आपका शब्द ही आपका बंधन है। अगर आप कुछ कहते हैं, तो आपको उसके लिए खड़ा होना होगा।'

प्रियंका ने हॉलीवुड में आने पर अपने सामने आई स्टीरियोटाइप के बारे में बात की। 'लोग कमेंट करते थे, 'ओह, आप अच्छी इंग्लिश बोलते हैं, ' जैसे कि यह अनएक्सपेक्टेड हो। उन्होंने याद करते हुए कहा, 'हर बार जब मैं किसी मीटिंग में जाती थी, तो मेरे बारे में पहले से बनी एक सोच होती थी।' हालांकि, उन्होंने तय किया था कि वह इन सोच से टाइपकास्ट या सीमित नहीं रहेंगी। इसके बजाय, उनका मकसद 'बॉर्डरलेस एंटरटेनमेंट' का हिस्सा बनना था, जिसमें अलग-अलग देशों के एक्टर्स के साथ काम करना और कल्चरल बाउंड्रीज़ को पार करना शामिल था।

प्रियंका ने टीवी सीरीज़ क्वांटिको में लीड रोल के तौर पर हॉलीवुड में डेब्यू किया था। बाद में, उन्होंने बेवॉच और द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स जैसी बड़ी फिल्मों में सपोर्टिंग रोल किए। समय के साथ, उन्होंने सिटाडेल, हेड्स ऑफ़ स्टेट और कार्ल अर्बन के साथ अपनी आने वाली पाइरेट एडवेंचर फिल्म द ब्लफ़ जैसे बड़े हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स को लीड किया है। वह 2027 में एसएस राजामौली की वाराणसी के साथ इंडियन सिनेमा में वापसी की भी तैयारी कर रही हैं। लगभग 8 साल बाद वापसी करते हुए, वाराणसी प्रियंका की द स्काई इज़ पिंक के बाद पहली हिंदी फिल्म है, जो पैनडेमिक से पहले रिलीज़ हुई थी। इस पैन-इंडिया फिल्म में प्रियंका के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन हैं। भारतीय इतिहास पर आधारित टाइम-ट्रैवलिंग एडवेंचर पर आधारित यह फिल्म अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

तमन्ना भाटिया बनीं ब्रांड एंबेसडर, 'गैर-कन्नड़' चेहरे को लेकर छिड़ी सियासी जंग

कर्नाटक के प्रतिष्ठित और सदियों पुराने ब्रांड 'मैसूर सैंडल सोप' को लेकर राज्य में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी कर्नाटक सोप्स एंड डिटर्जेंट्स लिमिटेड ने अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को अपना नया ब्रांड एंबेसडर चुना है। मंगलवार को उन्होंने औपचारिक रूप से अपनी भूमिका संभाल ली, लेकिन उनके 'गैर-कन्नड़' होने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कई स्थानीय संगठनों ने विरोध शुरू कर दिया है।

विरोध करने वालों ने प्रसिद्ध साबुन का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक गैर-कन्नड़ भाषी अभिनेत्री को चुने जाने पर सवाल उठाया है। सरकार ने अपने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि भाटिया का चयन योग्यता और व्यावसायिक विचार-विमर्श के आधार पर किया गया। राज्य के स्वामित्व वाली 'कर्नाटक सोप्स एंड डिटर्जेंट्स लिमिटेड' (केएसडीएल) द्वारा निर्मित उत्पादों की बाजार में उपस्थिति को मजबूत करने के प्रयासों के तहत भाटिया का कंपनी की ब्रांड एंबेसडर के रूप में दो साल का कार्यकाल मंगलवार से शुरू हो गया।

केएसडीएल एक ऐसा संगठन है जिसकी विरासत एक सदी से अधिक पुरानी है। भाटिया ने बेंगलुरु में आयोजित एक कार्यक्रम में संगठन के 57 उत्पादों का अनावरण किया, जिनमें 'मैसूर सैंडल सोप' भी शामिल है, जिसे अब एक नयी और आधुनिक पैकेजिंग में पेश किया गया है। जिन उत्पादों को नयी पैकेजिंग प्रदान की गई है उनमें चंदन का तेल, चमेली के सुगंध वाले साबुन, इत्र, टूथपेस्ट, नारियल तेल, पेट्रोलियम जेली और जैविक उत्पाद शामिल हैं।

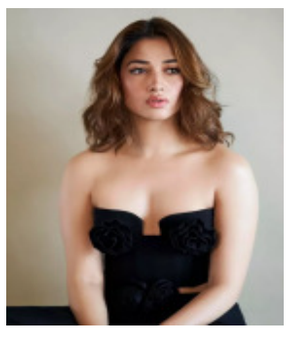

इस अवसर पर भाटिया को दर्शाते कई विज्ञापन भी जारी किए गए। इसके अलावा संगठन की समृद्ध विरासत का वर्णन करने वाली दो 'कॉफी टेबल बुक' - सुगंधा सिरी और एरोमैटिक जर्नीज - का विमोचन किया गया। इस अवसर पर भाटिया ने कहा, ''मैसूर सैंडल सोप सिर्फ एक साबुन नहीं है। यह भावनाओं, बचपन की और पुरानी यादों से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह शुद्धता और प्रामाणिकता का एक आदर्श मिश्रण है। यह साबुन लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान रखता है और इस संस्था के ब्रांड एंबेसडर के रूप में जुड़ना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।''

इस बीच, सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई लोगों ने राज्य सरकार के इस फैसले की आलोचना की, जिसमें कन्नड़ अभिनेत्री के बजाय भाटिया को राज्य के प्रतिष्ठित ब्रांड का एंबेसडर चुना गया था। चिक्कबाल्लापुरा से भाजपा सांसद और राज्य के पूर्व मंत्री के. सुधाकर ने'एक्स' पर एक पोस्ट में राज्य सरकार के इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा, ''हमारे अपने कर्नाटक के कई सितारे राज्य के मशहूर अंतरराष्ट्रीय ब्रांड 'मैसूर सैंडल सोप' के ब्रांड एंबेसडर बनने के काबिल थे, लेकिन करोड़ों रुपये देकर दूसरे राज्य की, एक गैर कन्नड़ भाषी फिल्म अभिनेत्री को ब्रांड एंबेसडर चुना गया। यह कांग्रेस पार्टी की कन्नड़ विरोधी मानसिकता का एक और सबूत है।''